{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 23 जनवरी 2026
माघ शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 122
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	-	82,307.37
निफ्टी	-	25,289.90
सोना	-	1,54,310
चांदी	-	3,25,000
डॉलर	-	91.58

आज बसंत पंचमी और जुमे की नमाज...

दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

नई दिल्ली/धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी आदेशों के बाद पुलिस और प्रशासन विशेष रूप से सतर्क है। धार पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है। खासकर भोजशाला परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। ऐतिहासिक स्थल के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूर्व अभ्यास जैसा माहौल नजर आ रहा है। वहीं, हिंदू समाज द्वारा प्रतिवर्ष बसंत पंचमी पर भोजशाला को सजाया जाता है। सुबह से ही सजावट का कार्य शुरू हो चुका है।

हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। बसंत पंचमी पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है। मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके। इस पर मस्जिद पक्ष ने स्पष्ट किया कि जुमे की नमाज का समय बदला नहीं जा सकता। अन्य नमाजों के समय में बदलाव संभव है।

भोजशाला में आठ हजार पुलिसकर्मी तैनात

बसंत पंचमी होने की वजह से धार में 11वीं सदी की विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और रैपिड एक्शन फोर्स सहित लगभग 8,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूरे शहर में सीसीटीवी निगरानी, पैदल और गाड़ियों से गश्त और सोशल मीडिया गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

भोजशाला का 300 मीटर क्षेत्र नो-फ्लाई जोन

भोजशाला क्षेत्र में 300 मीटर के दायरे में नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इस दायरे में ड्रोन, यूएवी, पैरा ग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलून सहित किसी भी तरह की उड़ान गतिविधि पर पूरी तरह पाबंदी है। सार्वजनिक सड़कों और स्थलों पर भवन निर्माण सामग्री, मलबा, टायर और लावारिस गुमटियां रखने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन की स्थिति में नगर पालिका सारा सामान जब्त कर सकता है।

नमाज के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने एक संतुलित समाधान अपनाते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए, परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी तरह हिंदू समुदाय को भी बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। प्रशासन और एएसआई को निर्देश दिए गए हैं कि दोनों समुदायों के धार्मिक आयोजनों में किसी तरह की बाधा न आए और शांति बनी रहे।

एआई से भीड़ पर नजर रख रही पुलिस

इंदौर रेंज के आईजी अनुराग सिंह ने बताया कि इस बार ड्रोन कैमरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के जरिए भीड़ की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। एआई सिस्टम भीड़ की संख्या, उसकी दिशा और किसी स्थान पर अतिरिक्त पुलिस बल की जरूरत जैसी जानकारियां रियल टाइम पर उपलब्ध करा रहा है।

हर मंगलवार को सुंदरकांड, शुक्रवार को नमाज

धार के भोजशाला परिसर में मंगलवार को ढोल, झांझ, मंजीरे के साथ हिंदू समाज के लोग सुंदरकांड का पाठ करते हैं। इसके अलावा शुक्रवार को मुस्लिम समाज जुमे की नमाज पढ़ता है। बता दें, बाकी दिनों में परिसर सभी धर्म के लोगों के लिए खुला है। वहां कोई भी टिकट लेकर अंदर जा सकता है।

बजट सत्र से लोकसभा में सांसदों की अटेंडेंस का सालों पुराना नियम बदलेगा

सांसद देरी से पहुंचे तो नहीं लगेगी हाजिरी, सैलरी भी कटेगी

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत के साथ ही संसद में सांसदों के लिए सख्ती बढ़ने जा रही है। अब अगर कोई सांसद देरी से लोकसभा पहुंचेगा, तो उसकी अटेंडेंस नहीं लगेगी। सिर्फ सदन में आना काफी नहीं होगा। तय समय पर पहुंचकर अपनी सीट से इलेक्ट्रॉनिक हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य होगा। नए नियम के तहत लेट लतीफी पर सीधा असर जेब पर पड़ेगा, क्योंकि अटेंडेंस न होने पर दैनिक भत्ता और सैलरी कटना तय है। यह बदलाव संसद की कार्यसंस्कृति को अनुशासित और जिम्मेदार बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अब तक सांसद लॉबी में रखे रजिस्टर पर साइन करके अटेंडेंस दर्ज करा लेते थे, चाहे वे सदन की कार्यवाही में शामिल हों या नहीं। लेकिन नए साल से यह सुविधा खत्म होने जा रही है। बजट सत्र से लागू होने वाले नियम के मुताबिक सांसदों को अपनी तय सीट पर बैठकर ही हाजिरी लगानी होगी। सदन स्थगित होने के बाद अटेंडेंस का कोई मौका नहीं मिलेगा। इससे साफ संदेश है कि संसद में समय की पाबंदी और सक्रिय भागीदारी अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुताबिक बजट सत्र से सांसद केवल अपनी निर्धारित सीट से ही इलेक्ट्रॉनिक रूप से अटेंडेंस दर्ज कर सकेंगे। लॉबी में रखे रजिस्टर में साइन करने की व्यवस्था खत्म की जा रही है। हर सीट पर पहले से लगे इलेक्ट्रॉनिक कंसोल में अटेंडेंस मार्क करने की सुविधा मौजूद है, जिसे अब अनिवार्य किया जा रहा है। सदन स्थगित होने के बाद अटेंडेंस दर्ज करने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। इससे 'फॉर्मल मौजूदगी' का खेल खत्म होगा।

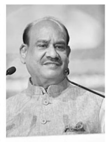

जरूरी था बदलाव

संसद में अटेंडेंस और व्यवधान लंबे समय से बड़ा मुद्दा रहे हैं। पुराने सिस्टम में सांसद बिना सदन में बैठे भी भत्ता पाने के हकदार हो जाते थे। इससे जनता के बीच यह संदेश जाता था कि संसद में जिम्मेदारी की कमी है। नया सिस्टम यह सुनिश्चित करेगा कि जो सांसद अटेंडेंस दर्ज कर रहा है, वह वास्तव में सदन की कार्यवाही का हिस्सा भी है। इससे सांसदों की जवाबदेही बढ़ेगी और जनता का भरोसा मजबूत होगा। हर सांसद को सदन में मौजूद रहने पर दैनिक भत्ता मिलता है, लेकिन शर्त यह है कि अटेंडेंस दर्ज हो। पुराने सिस्टम में इस पर सवाल उठते रहे हैं। नए नियम के बाद यह साफ हो जाएगा कि भत्ता उसी सांसद को मिलेगा जो वाकई सदन में बैठकर काम कर रहा है। इससे वित्तीय पारदर्शिता भी बढ़ेगी और संसद के प्रति जनता का विश्वास भी। बजट सत्र से पहले ओम बिरला ने सांसदों को यह भी याद दिलाया कि विरोध का मतलब सिर्फ नारेबाजी और पोस्टर दिखाना नहीं होता।

खास खबर

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला होंगी महापौर

मुंबई। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में मेयर लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना (यूबीटी) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) या अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए था।

युवाओं की भर्ती कर सरकार के खिलाफ उकसाने पर लश्कर के आतंकी को 10 साल कैद

नई दिल्ली। एनआईए की विशेष कोर्ट ने पाकिस्तान से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा के एक आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। यह मामला पश्चिम बंगाल में मुस्लिम युवाओं की भर्ती कर उन्हें प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ने और भारत सरकार के खिलाफ उकसाने से जुड़ा है। एनआईए की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कोलकाता स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के रहने वाले सैयद एम इदरीस को कई धाराओं में दोषी पाया। कोर्ट ने उसे दोषसिद्धि करते हुए 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही आरोपी पर 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

सज्जन को कोर्ट ने दी राहत, भीड़ को भड़काने के आरोप से किया बरी

नई दिल्ली। 1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को कोर्ट ने राहत दी है। दिल्ली की एक कोर्ट ने सज्जन कुमार को उस मामले में बरी कर दिया है जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को भड़काने का आरोप था। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने कुमार को बरी करने का संक्षिप्त रूप से मौखिक फैसला सुनाया। फैसले की कॉपी का इंतजार है। पिछले साल दिसंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 22 जनवरी के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2015 में एसआईटी ने दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में हुई हिंसा से जुड़ी शिकायतों के आधार पर सज्जन कुमार के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं।

कुछ ना कहना

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के प्रश्नावली की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को जनगणना 2027 से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें जनगणना में पूछे जाने वाले 33 सवालों की लिस्ट है, जिसमें मकान, परिवार, वाहन से जुड़े सवाल हैं। जनगणना के दौरान परिवार के मुखिया को ये जानकारियां देनी होंगी।

इससे पहले सरकार ने बताया था कि जनगणना दो फेज में होगी। पहला फेज अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा। इसमें घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा जुटाया जाएगा। दूसरा फेज फरवरी 2027 से आबादी की गिनती से शुरू होगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे।

सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी।

टी 20 वर्ल्ड कप का बांग्लादेश ने किया बहिष्कार

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की चेतावनी और अल्टीमेटम के बावजूद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अपने रुख पर कायम रहने का फैसला किया है। बांग्लादेश ने साफ कर दिया है कि जब तक मैचों का वेन्यू भारत से बदलकर श्रीलंका नहीं किया जाता, तब तक टीम वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी।

खिलाड़ियों के साथ अहम बैठक के बाद बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने आईसीसी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है। आसिफ नजरुल के मुताबिक- सरकार, क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ी तीनों एक मत हैं कि सुरक्षा से किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा।

किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे

आसिफ नजरुल ने साफ शब्दों में कहा- हम किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे। दुनिया को यह भी समझना चाहिए कि अगर बांग्लादेश वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा तो उसके क्या नतीजे होंगे। हम अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं कर सकते। बैठक के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी दोहराया कि उनका फैसला अटल है। बोर्ड का कहना है कि मौजूदा हालात में भारत जाकर खेलना सुरक्षित नहीं है और इसलिए वेन्यू बदलकर श्रीलंका किया जाना चाहिए। हालांकि आईसीसी ने पहले ही साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के मैच भारत से बाहर नहीं ले जाए जाएंगे। आईसीसी की इस सख्त चेतावनी के बाद भी बांग्लादेश ने अपने फैसले से पीछे हटने से इनकार कर दिया है।

झारखंड में 11 नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी भी

चाईबासा। झारखंड में मुठभेड़ में 11 से ज्यादा नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार तड़के मुठभेड़ शुरू हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान 1 करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई।

उसके दस्ते में 14 से अधिक नक्सली हैं। लगातार हो रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 11 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा भी मारा गया है। हालांकि इसके मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़

सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सारंडा के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई। सारंडा का इलाका दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां नक्सलियों की लंबे समय से गतिविधियां रही हैं। जंगल के भीतर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया गया है।

50 लाख का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

कोल्हान प्रमंडल के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों की मानें तो मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 50 लाख रुपए के इनामी एक बड़े नक्सली कमांडर को भी मार गिराया है। हालांकि इस दावे पर भी अब तक मुहर नहीं लगी है।

नक्सलमुक्त भारत की ओर बड़ी सफलता : अमित शाह ने पश्चिमी सिंहभूम मुठभेड़ पर कहा

31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद का करेंगे समूल अंत

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में ?1 करोड़ का कुख्यात इनामी नक्सली सेंट्रल कमेटी मेंबर अनल उर्फ पतिराम मांझी और 15 अन्य नक्सलियों के मारे जाने पर कहा कि इससे नक्सलमुक्त अभियान को बड़ी सफलता मिली।

X प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा आज पश्चिमी सिंहभूम में CRPF और झारखंड पुलिस द्वारा चल रहे एक जॉइंट ऑपरेशन में 1 करोड़ का कुख्यात इनामी नक्सली सेंट्रल कमेटी मेंबर अनल उर्फ पतिराम मांझी और 15 अन्य नक्सलियों के मारे जाने से नक्सलमुक्त अभियान को बड़ी सफलता मिली। दशकों से भय और आतंक के पर्याय रहे नक्सलवाद को हम 31 मार्च 2026 से पहले समाप्त करने के लिए संकल्पित हैं। मेरी पुनः शेष बचे नक्सलियों से अपील है कि हिंसा, आतंक और हथियारों से जोड़ने वाली विचारधारा को छोड़ विकास और विश्वास की मुख्यधारा से जुड़ें।

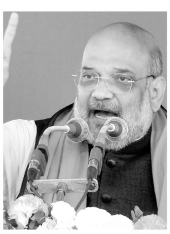

बजट सत्र से पहले 27 को होगी सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री ने यह सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक संसद की मुख्य समिति कक्ष में होगी। सरकार इस बैठक में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों और विधायी कार्यों पर चर्चा करेगी जो आने वाले सत्र में सदनों के सामने आएंगे। बजट सत्र इस महीने की 28 तारीख से शुरू और 2 अप्रैल तक चलेगा। यूनियन बजट 2026-27 को 1 फरवरी को पेश किया जाएगा।

बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा

बजट सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक। इस दौरान कुल 30 बैठकें होने की उम्मीद है।

2026-27 का केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। सत्र की शुरुआत भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को संबोधित करके होगी। बजट से पहले, वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पहले से घोषित कस्टम ड्यूटी दरों पर जोर दिया। पिछले बजट सत्रों में, भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनाने और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए थे। इसके अलावा कई अन्य उद्योगों ने भी बजट में अपने लिए कुछ सकारात्मक प्रावधान होने की उम्मीद जताई है।

सेना का बुलेटप्रूफ वाहन 200 फीट गहरी खाई गिरा

दस जवानों की गई जान, 11 घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक सेना की गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। गंभीर रूप से 11 घायलों को उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। अधिकारी के मुताबिक यह हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप पर हुआ। सभी जवान एक ऊपरी इलाके में स्थित पोस्ट पर जा रहे थे, तभी ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इस हादसे से दुखी हूं। इस घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। घायल सैनिकों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

गणतंत्र दिवस पर देश को दहलाने की 'कोड 26-26' की साजिश का खुलासा

नई दिल्ली। भारत में दिल्ली समेत कई शहरों को गणतंत्र दिवस पर दहलाने की साजिश का खुलासा हुआ है। पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद के साथ 'कोड 26-26' के नाम से आतंकी वारदात को अंजाम देने में जुटी है। इस खुफिया इनपुट के बाद देश के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के इंतजाम और कड़े कर दिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों ने इस साजिश का पता चलने के बाद दिल्ली, जम्मू-कश्मीर सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खतरे को देखते हुए, दिल्ली पुलिस ने पहली बार एक विशेष वांटेड नोटिस जारी किया है, जिसमें अल-कायदा के संदिग्ध आतंकी और दिल्ली निवासी मोहम्मद रेहान की तस्वीर शामिल की गई है। पोस्टर में शाहिद फैसल का भी नाम है, जिसे बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट समेत दक्षिण भारत में कई धमाकों का मास्टरमाइंड बताया गया है। खुफिया रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आतंकी समूह गणतंत्र दिवस से पहले देश के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ हमले करने की फिराक में हैं।

स्टील प्लांट में विस्फोट से 7 मजदूरों की मौत, पूर्व सीएम बघेल ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार के पास बकुलाही स्थित रियल स्पॉट स्टील प्लांट में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। डीएससी कोयला भट्ठे में हुए विस्फोट में 7 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। स्टील प्लांट के डीएससी कोयला भट्ठे के आसपास कुछ मजदूर नियमित सफाई कार्य में लगे हुए थे। तभी अचानक भट्ठे में विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद भट्ठे से गर्म कोयला बाहर आ गया, जिसकी चपेट में सफाई कर रहे मजदूर आ गए। हादसा इतना भयावह था कि पांच मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल मजदूरों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

वहीं इस दर्दनाक हादसे पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पोस्ट किया, X एक स्पंज आयरन फैक्ट्री में धमाके की दुखद खबर मिली है। इस भयानक हादसे में कई फैक्ट्री मजदूरों की मौत हुई है। भगवान दिवंगत आत्माओं को शांति दें और दुखी परिवारों को यह बहुत बड़ा दुख सहने की ताकत दे। उन्होंने लिखा कि हम छत्तीसगढ़ की बीजेपी सरकार और जिला प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि घायल लोगों को सही इलाज दिया जाए। इतना ही नहीं हम मांग करते हैं कि मरने वालों के परिवारों को सही मुआवजा मिले, घटना की उच्चस्तरीय जांच की जाए और दुखद घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। हालांकि सीएम विष्णु देव साय की छत्तीसगढ़ सरकार ने अभी तक किसी भी पीड़ित के लिए कोई एक्स-ग्रेशिया अनाउंस नहीं किया है।

सभी बीएमओ की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि वे गर्भवती माताओं के पंजीयन जांच की एंट्री करवायें

हाईरिस्क वाली गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव के लिए उचित प्रबंधन करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 22 जनवरी को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक प्रशांत ठाकुर, सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, डीपीएम, सभी बीपीएम एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि माता के गर्भवती होते ही उसका अनमोल पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी गर्भवती माता का पंजीयन अनमोल पोर्टल पर शेष नही रहना चाहिए। पंजीयन के पश्चात गर्भवती माता का नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण अनिवार्य रूप से किया जाए। जो गर्भवती मातायें जांच के दौरान एनीमिया से ग्रसित पायी जाए ऐसी माताओं को हाईरिस्क वाली माताओं के रूप में चिन्हित कर उनके सुरक्षित प्रसव के लिए उचित प्रबंधन किये जाए।

कलेक्टर श्री मीना ने सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच का डेटा पोर्टल पर समय सीमा में दर्ज किया जाए। जिससे पता चल सके कि गर्भवती माता की किस दिनांक को जांच की गई है और उसका बीपी, हिमोग्लोबिन, वजन कितना है। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित एएनएम की जिम्मेदारी तय कर उसके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाए और गलत एंट्री पाये जाने पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाए। उन्होंने सभी बीएमओ से कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी रहेगी कि गर्भवती माताओं के पंजीयन एवं जांच की एंट्री अनिवार्य रूप से पोर्टल पर हो और वे नियमित रूप से इसकी मानीटरिंग करें। सभी अधिकारी यह भी ध्यान रखे कि गर्भवती माता को प्रसव के लिए प्रायवेट अस्पताल न जाना पडे।

बैठक में निर्देशित किया गया कि गर्भवती माता के प्रसव का पूरा रिकार्ड ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज किया जाए। जिसमें प्रसव कहा पर हुआ, बच्चे का वजन कितना है आदि जानकारी होना चाहिए। हाईरिस्क वाली गर्भवती माताओं की काउंसलिंग करें और उन्हें समय पर जांच व उपचार के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करें। विकासखंड स्तर पर जिन केंद्रो में प्रसव की सुविधा उपलब्ध है वहां पर सुरक्षित प्रसव कराया जाए और अनावश्यक केस रेफर न किये जाए। बैठक में बताया गया कि एएनएम रीना रंगारे द्वारा अपने कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है इस पर उसका वेतन रोकने के निर्देश दिये गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि जिले में कहीं पर भी प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम पीसीपीएनडीटी के अंतर्गत पंजीयन कराये बगैर सीटी स्कैन मशीन का संचालन नही होना चाहिए। सभी बीएमओ को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रो का परख एप्प के माध्यम से निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि जिले में मातृ शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए माता के गर्भवती होने के साथ ही उसके पोषण एवं स्वास्थ्य पर निगरानी रखना है। प्रसव के उपरांत शिशु के पोषण स्तर पर भी नजर रखना है, जिससे शिशु कुपोषित न हो। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें कुपोषण से मुक्त कराने के लिए कारगर प्रयास करने के निर्देश दिये। आंगनवाडी केंद्रो के माध?यम से वितरित किये जाने वाले टीएचआर का सत्यापन करने के निर्देश दिये गए। जिले के सभी आंगनवाडी केंद्रो में 03 से 06 वर्ष तक के आयु के बच्चों को प्री स्कूल शिक्षा अनिवार्य रूप से दिलाने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि सभी परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाईजर आंगनवाडी केंद्रो का प्रोटोकॉल के अनुसार निरीक्षण करें और उसकी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से एंट्री करें।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि जिले में सक्षम आंगनवाडी के रूप में चिन्हित आंगनवाडी केंद्रो को प्रदाय किये गए एलईडी स्मार्ट टीवी एवं शुद्ध पेयजल के आरओ कार्य करते हुए मिलने चाहिए। जिन आंगनवाडी केंद्रो में आरओ के लिए ओव्हरहेड टैंक नही है वहां पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को इसकी व्यवस्था करने कहा जाएगा। आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि सभी आयुष आरोग्य मंदिर में आयुष चिकित्सकों व स्टॉफ की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सक एवं स्टॉफ पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि जिन स्थानों पर आयुष विभाग के अस्पताल है वहां के मरीजों को जिला चिकित्सालय एवं खण्ड चिकित्सालय आने की आवश्यकता नही पडना चाहिए।

इनरव्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर श्याम मॉल में हल्दी-कुमकुम

कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती भारती पारधी,विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर व पिछड़ा वर्ग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े विशेष रूप से उपस्थित रही।आयोजित कार्यक्रम में आए अतिथियों का क्लब की सदस्यों द्वारा पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर मकर संक्रांति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम के माध्यम से आपसी सद्भाव, नारी सशक्तिकरण एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। अंत में सभी उपस्थितजनों ने आयोजन की सराहना करते हुए इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस के प्रयासों की प्रशंसा की।इस दौरान क्लब की अध्यक्ष श्रीमती राधिका असाटी, सचिव श्रीमती सोनल गांधी सहित सदस्यगण गीतांजलि मिश्रा, सौम्या बेदी, रेखा बनोदिया, ममता चंदेल, प्रीति सेठिया, प्रियंका जायसवाल, शिखा छवाड़ा, कुलमीत छाबड़ा, गुरमीत त्रिवेदी, बबीता अग्रवाल, मनीषा छुट्टानी, रिया, श्वेता सचदेवा, रोशनी सचदेवा, राधिका सारोड़े, सारिका शांडिल्य, पुनिता एवं क्लब की अन्य सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

नाम परिवर्तन सूचना

मै कलीमुल्ला आयु 65 वर्ष पिता श्री स्व0 मो. युसूफ जाति मुस्लिम निवासी वार्ड न. 24 इन्द्रा नगर मदरसा के सामने बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट म0प्र0 ।

मै शपथकर्ता निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त वर्णित स्थान का निवासी हूँ।

मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजो एवं आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो मे मेरा नाम कलीमुल्ला दर्ज हैं एवं मेरे द्वारा राशन कार्ड बनवाया गया तथा अन्य और दस्तावेजों में नाम मो. कलीमुल्ला रिजवी नाम दर्ज हैं।

मेरे नामों में भिन्नता किसी की धोकाधडी या हेराफेरी के उद्देश्य से दर्ज नहीं की गई है। बल्कि परिस्थितिवश दर्ज हो चुका है।

कलीमुल्ला एवं मो.कलीमुल्ला रिजवी दोनो नाम एक ही व्यक्ति से संर्दभित हैं अर्थात मेरे ही नाम हैं उपरोक्त आधार पर उपरोक्त नाम एक ही व्यक्ति का नाम समझा जाना उचित एंव न्यायोचित होगा। तथा मेरा वास्तविक सही नाम कलीमुल्ला है अत: मुझे मेरे सही नाम कलीमुल्ला के नाम से ही ही जाना व पहचाना जाए।

मेरे नाम सबंधि दी गई जानकारी सत्य व सही मेरे द्वारा दी गई जानकारी भविष्य मे गलत पायी जाती हैं या नाम को लेकर कोई वाद-विवाद होता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरे स्वयं की होगी।

अत: शपथपत्र प्रस्तुत है।

नाम- कलीमुल्ला पिता स्व. मो. युसूफ
पता- वार्ड न. 24 इन्द्रा नगर
मदरसा के सामने बालाघाट

अधिवेशन की अनुमति रद्द होने के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा का प्रदर्शन

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में 22 जनवरी को भारत मुक्ति मोर्चा के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया गया। मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता

बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे और अधिवेशन की अनुमति रद्द किए जाने के खिलाफ रैली निकालकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के पश्चात कलेक्टर कार्यालय पहुँचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। भारत मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि बामसेफ संगठन द्वारा राष्ट्रीय मूल निवासी संघ का 42वाँ संयुक्त राष्ट्रीय अधिवेशन तथा भारत मुक्ति मोर्चा का 15वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन ओडिशा के कटक शहर में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। यह अधिवेशन ओबीसी एवं पिछड़ा वर्ग की जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर आयोजित किया जा रहा था। पदाधिकारियों के अनुसार इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए कटक महानगर पुलिस प्रशासन सहित सभी संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति एवं कानूनी औपचारिकताएं दो माह पूर्व ही पूरी कर ली गई थीं। देशभर से हजारों प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं संगठन पदाधिकारियों की उपस्थिति प्रस्तावित थी। आयोजन स्थल, आवागमन, ठहरने, भोजन तथा अन्य सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली गई थीं। इसके बावजूद मोर्चा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एवं आरएसएस के दबाव में प्रशासन द्वारा षड्यंत्रपूर्वक अधिवेशन की अनुमति निरस्त कर दी गई, जिससे लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन हुआ है। संगठन का कहना है कि यह निर्णय सामाजिक न्याय की आवाज को दबाने का प्रयास है। इसी के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता अंबेडकर चौक में एकत्रित हुए और वहाँ से काली पुतली चौक, दुर्गावती चौक होते हुए अस्पताल मार्ग से गुजरते हुए कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकाली। रैली के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई । ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति से मांग की गई कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा भविष्य में सामाजिक संगठनों के लोकतांत्रिक कार्यक्रमों में राजनीतिक हस्तक्षेप रोका जाए। साथ ही संगठन ने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की कार्रवाइयाँ जारी रहीं तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

रामलाल गर्भगृह की मिट्टी को लाया गया बालाघाट

205 फुट के श्री हनुमान प्रतिमा निर्माण को अयोध्या धाम से मिला ऐतिहासिक आधार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर, भरवेलीङ्कहीरापुर के तत्वावधान में विश्व की सबसे ऊँची 205 फीट दिव्य श्री हनुमान जी की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के पावन संकल्प को साकार करने हेतु आयोजित महासंकल्प यात्रा का भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक रूप से सफल आयोजन संपन्न हुआ।यह महासंकल्प यात्रा 16 जनवरी को श्री विष्णुधाम सिद्धपीठ विष्णु धाम मंदिर, भरवेली से प्रारंभ हुई थी। लगभग तीन दिवसीय आध्यात्मिक भ्रमण के पश्चात यह यात्रा 20 जनवरी को पुन: विष्णुधाम मंदिर पहुँची। इस यात्रा में बालाघाट जिले के लगभग 300 से अधिक श्रद्धालु सम्मिलित हुए, जिन्होंने संपूर्ण मार्ग में श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ सहभागिता की।यात्रा के दौरान अयोध्या धाम से भगवान श्री राम जी की पावन चरण-रज (राम जन्मभूमि की पवित्र मिट्टी) एवं माँ सरयू जी का पावन जल, प्रयागराज त्रिवेणी

संगम से माँ गंगा जी का पावन जल, तथा मंडला से माँ नर्मदा जी का पवित्र जल ,सह-सम्मान संकलित कर विष्णुधाम लाया गया। इन सभी पावन तत्वों का उपयोग आगामी 205 फीट विशाल श्री हनुमान जी की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के भूमि-पूजन में विधि-विधानपूर्वक किया जाएगा।इस महासंकल्प यात्रा की सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धि यह रही कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या द्वारा रामलला के गर्भगृह की पावन राज (मिट्टी) श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर को प्रदान की गई। यह पावन राज विष्णुधाम मंदिर, भरवेली-हीरापुर लाई गई है, जिसका उपयोग भूमि-पूजन में किया जाएगा। यह क्षण विष्णुधाम परिवार ही नहीं, बल्कि संपूर्ण बालाघाट जिले के लिए ऐतिहासिक गर्व का विषय है। अयोध्या धाम प्रवास के दौरान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय द्वारा विष्णुधाम से पधारे श्रद्धालुओं को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित कर दर्शन, मार्गदर्शन एवं विशिष्ट आतिथ्य प्रदान किया गया। इस अवसर पर अंगद टीला स्थित विशिष्ट अतिथि भोज में भी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया, जो श्री राम मंदिर के इतिहास में एक दुर्लभ एवं अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव रहा। महासंकल्प यात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं का स्थल-स्थल पर भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह भजन-कीर्तन, जलपान एवं विश्राम की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा संपूर्ण रूप से भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई।श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर परिवार एवं समस्त श्रद्धालु समाज की ओर से चम्पत राय, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, एवं अयोध्या धाम प्रशासन के प्रति हृदय से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। उनके मार्गदर्शन, सहयोग एवं स्नेह से यह महासंकल्प यात्रा अत्यंत सफल, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक सिद्ध हुई।अंत में प्रभु श्री राम एवं श्री हनुमान जी महाराज से प्रार्थना की गई कि यह दिव्य निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो तथा विष्णुधाम मंदिर राष्ट्र की आध्यात्मिक चेतना का भव्य केंद्र बने।

हनुमान चालीसा व प्रभु श्रीराम की महाआरती कर बांटा महाप्रसाद

अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के दो वर्ष पूर्ण होने पर हुये विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अयोध्या राममंदिर में प्रभु श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर 22 फरवरी को शहर मुख्यालय सहित जिले भर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी कड़ी में सकल हिन्दू समाज बालाघाट द्वारा शहर के आम्बेडकर चौक में हनुमान चालीसा पाठ व प्रभु श्रीराम की महाआरती का आयोजन किया गया था। इस दौरान आम्बेडकर चौक को दीपों की रोशनी से आर्कषक सजावट की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सनातनी शामिल हुये।इस अवसर पर नये श्रीराम मंदिर गोंदिया रोड से सुबह 6 बजे प्रभात रैली निकाली गई। इस अवसर पर स्थानीय कालीपुतली चौक व आम्बेडकर चौक में विशाल भगवा ध्वज फहराया गया। वही नये श्रीराम मंदिर में महाप्रसाद भी वितरण किया गया। वहीं शाम को आम्बेडकर चौक में कार्यक्रमों का आयोजन कर महाप्रसाद वितरण किया गया। बता दें कि 22 जनवरी 2024 को रामलला अयोध्या मंदिर में पुन॰ विराजमान हुये थे। इस उपलक्ष में सकल हिन्दू समाज

द्वारा प्रभु श्रीराम का स्थापना महोत्सव पूरे जिले में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहा नगर के अंबेडकर चौक में रामलाल के अनन्य भक्त वीर हनुमान का स्मरण करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ एवं श्री राम लाल की हजारों दीपों की आकृति बनाकर महा आरती की गई। उक्त कार्यक्रम में जहां सैकड़ो धर्माव लंबी एकत्रित हुए वहीं आयोजन में प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद एवं शक्ल हिंदू समाज की भूमिका मुख्य रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद श्रीमती भारतीय ,नपा अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, समाजसेवी रमेश रंगलानी सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जमीन बेचनी है

बालाघाट-कोसमी में स्थित बालाघाट - गोंदिया रोड से लगी हुई चौड़ाई 75 फ़ीट, लम्बाई 250 फ़ीट पूर्वमुखी ज़मीन बेचनी है जिसके उत्तर में 15 फ़ीट की रोड है।

इच्छुक खरीददार मोबाइल नंबर 9425138988 पर संपर्क करें

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0029/ड-154/2025-26
मौजा मुरझड़, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीशांत रावत पिता पुनाराम रावत जाति गोवारी, निवासी ग्राम मुरझड़, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मुरझड़, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादीजी सुगवंती पति तीजू का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 06.04.2004 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मुरझड़ के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 28.01.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 1901.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 23.01.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0030/ड-154/2025-26
मौजा मुरझड़, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीशांत रावत पिता पुनाराम रावत जाति गोवारी, निवासी ग्राम मुरझड़, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मुरझड़, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी तीजू पिता चांगो का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 05.03.2000 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मुरझड़ के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 28.01.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 1901.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 23.01.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बालाघाट
शुक्रवार 23 जनवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बहन के घर जाने निकली महिला 2 साल से लापता,अब तक उसके घर नही पहुंची।।

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम दीनी की एक महिला बसंता वाघाड़े 40 पति बालिकराम वाघाड़े 40 वर्ष दो साल से लापता हैं। महिला 17 सितंबर 2023 को अपनी बहन के घर जाने के लिए निकली थी, लेकिन न तो वह बहन के घर पहुँची और न ही अपने घर वापस लौटी। इसके बाद से रामपायली पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही है।

रामपायली पुलिस के मुताबिक, बसंता वाघाड़े अपने परिवार के साथ ग्राम दीनी में रहती थीं। उनके परिवार में पति बालिकराम वाघाड़े और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा हिमांशु ग्राम मेड़की में रहता है, जबकि छोटा बेटा संजय माता-पिता के साथ ग्राम दीनी में था।घटना के दिन, 17 सितंबर 2023 को बालिकराम भैंस चराने के लिए गए थे। घर में पत्नि बसंता और बेटा संजय थे। शाम को जब बालिकराम घर आए उस समय उसकी पत्नी बसंता घर में नहीं थी। बेटे संजय से पूछने पर उसने बताया कि सुबह 10ः00 बजे मम्मी मौसी के घर ग्राम एकोड़ी जा रही हूँ कहकर घर गई है ।। बालिकराम ने ग्राम एकोड़ी में भी फोन किया, लेकिन वहां बसंता के आने की कोई सूचना नहीं मिली। इसके बाद बालिकराम और आसपास के लोग पड़ोसी और रिश्तेदारों के माध्यम से तलाश करने लगे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बसंता का हुलिया इस प्रकार हैः- रंग सांवला, ऊंचाई लगभग 5 फीट, चेहरा गोल अंडाकार। बालिकराम ने पत्नी के लापता होने पर 25 सितंबर 2023 को रामपायली पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुम इंसान 53/2023 दर्ज किया और लगातार दो साल से महिला की तलाश की जा रही है। रामपायली पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी को बसंता वाघाड़े के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाना में सूचना दें। पुलिस ने जनता से सहयोग की उम्मीद जताई है।

16 फरवरी से बोर्ड परीक्षायें: 39 हजार परीक्षार्थी 132 केन्द्रों में परीक्षाऐं देंगे

सीसीटीवी कैमरों की नजर में सारी परीक्षाऐं सम्पादित होंगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी किए जाने के बाद जिले में परीक्षा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। कार्यक्रम के अनुसार 10 फरवरी से हायर सेकेंडरी तथा 17 फरवरी से हाईस्कूल बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष जिले से कुल 39,173 परीक्षार्थी इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं में भाग लेंगे। इस बार परीक्षार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से इस वर्ष शिक्षा विभाग द्वारा कई विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व जहां विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है, वहीं परीक्षा अवधि के दौरान भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। परीक्षा के बीच मिलने वाले अंतराल के दौरान विद्यार्थी अपने विद्यालय पहुंचकर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों से अपने पाठ्यक्रम से संबंधित शंकाओं और कठिन प्रश्नों को समझ सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को विषयों की बेहतर समझ मिलेगी और उत्तर लेखन में सहायता होगी। एक्सीलेंस स्कूल के प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया कि यह व्यवस्था शासन स्तर पर जारी निर्देशों के तहत लागू की गई है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को इस सुविधा की जानकारी पहले ही दी जा चुकी है, ताकि परीक्षा के दौरान वे इसका लाभ उठा सकें और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित हो सकें। बोर्ड परीक्षाओं के सुचारु संचालन को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा सुरक्षा और गोपनीयता से जुड़ी व्यवस्थाएं भी सुदृढ़ की गई हैं। परीक्षा प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने के लिए एक्सीलेंस स्कूल परिसर में स्ट्रांग रूम तैयार किया

गया है। बोर्ड द्वारा भेजे जाने वाले प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों में वितरण से पूर्व इसी स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रूप से रखा जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने परीक्षार्थियों की संख्या और भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए पहले ही परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर लिया है। प्रशासन का दावा है कि केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की गई है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं और परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाएं सुचारु रूप से संपन्न होंगी और विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

10 फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी किए गए संशोधित परीक्षा कार्यक्रम के तहत इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन अपेक्षाकृत पहले किया जा रहा है। कार्यक्रम के अनुसार कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 7 मार्च तक चलेगी, जबकि कक्षा 10वीं की परीक्षा 13 फरवरी से शुरू होकर 6 मार्च तक आयोजित की जाएगी। इस वर्ष जिले में बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी अधिक है। शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार कक्षा 10वीं में 21,682 परीक्षार्थी और कक्षा 12वीं में 17,491 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस प्रकार कुल मिलाकर जिले से लगभग 39 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेंगे।

जिले में कुल 132 परीक्षा केंद्र बनाए गए

परीक्षाओं के सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 132 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी 132 परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जबकि हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) की परीक्षाएं 118 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न कराई जाएंगी। शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा केंद्रों का निर्धारण परीक्षार्थियों की संख्या और भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की संख्या भी उल्लेखनीय है। कक्षा 10वीं में 1,154 स्वाध्यायी परीक्षार्थी और कक्षा 12वीं में 863 स्वाध्यायी परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इन स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए संदीपनी स्कूल बालाघाट और महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय को परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। बोर्ड द्वारा इन केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां विशेष निगरानी और अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जाएंगी।

सब्जी बेचने वाली विधवा महिला पर हमला कर जमीन में पटका

गुजरी बाजार में आवारा सांड का आतंक, दुकानदार और ग्राहक परेशान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यदि आप भी गुजरी बाजार में सब्जी खरीदने के लिए जाते हैं या गुजरी बाजार परिसर से आवागमन करते हैं तो आपको भी सावधान होने की जरूरत है क्योंकि गुजरी बाजार परिसर में इन दिनों आवारा मूवेसीयों का आतंक देखने को मिल रहा है जहां यह मवेशी आने जाने वाले लोगों को सिंह से मार कर जख्मी कर रहे हैं पिछले कुछ दिनों से जारी इसी घटनाक्रम के बीच गुजरी बाजार परिसर में इन दोनों एक आवारा सांड का आतंक देखने को मिल रहा है जहां उक्त आवारा सर ने बीती रात सब्जी बेचने वाली एक विधवा महिला पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया घायल महिला का नाम वार्ड नंबर 3 गौसनगर निवासी 40 वर्ष की गीता प्रति स्वर्गीय राजेंद्र गजभिए बताया गया है जिसे उपचार के लिए नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है

चिल्लर व्यापारी संघ चंदा एकत्र कर महिला का करा रहा उपचार

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 3 निवासी राजेन्द्र गजभीए की मृत्यु करीब 15-20 वर्ष पूर्व हो चुकी है। पति की मृत्यु होने के बाद से ही करीब 15 वर्षों से उनकी पत्नी गीताबाई गजभीए गुजरी काम्प्लेक्स परिसर के पास सब्जी की दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करती है। बताया गया की गीता गजभिए की एक बेटी है ,जो पढ़ाई करती है।गीता बाई के अलावा उनके घर में कोई और कमाने वाला भी नहीं है।जानकारी के मुताबिक रोजाना की तरह गीताबाई बीती रात दुकान बंद करके घर जाने की तैयारी में थी ,इसी दरमियान कहीं से अचानक आवारा सांड आ गया और उसने महिला पर पीछे से हमला कर दिया।इस दौरान सांड ने महिला को उठाकर जमीन में पटक दिया। जिससे गीता बाई के साथ सर में गंभीर रूप से चोट आई है, तो वहीं हाथ की हड्डी भी टूट गई है। इसके अलावा शरीर के कई हिस्से में चोट है।उधर सांड के इस हमले से गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय व्यापारियों ने उपचार के लिए नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। वही चिल्लर सब्जी व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेश बुर्डे के नेतृत्व में सभी चिल्लर व्यापारियों से सहायता स्वरूप चंदा एकत्र कर महिला का उपचार कराया जा रहा है

इसके पूर्व सांड ने हमला कर 5-6 लोगों को कर चुका है घायल-राजेश

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान चिल्लर सब्जी व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेश बुर्डे ने बताया कि गुजरी सब्जी बाजार में आवारा मवेशियों का आतंक दिन व दिन बढ़ता ही जा रहा है,वे कभी सब्जी को नुकसान पहुंचाते हैं, तो कभी सब्जी खरीदने वाले लोगों या आम राहगीरों को निशाना बनाकर उन्हें मारकर जख्मी कर देते हैं। उन्होंने बताया कि बीती रात सांड ने सब्जी विक्रेता महिला गीता गजबीए को उठाकर पटक दिया, सांड के इस हमले से महिला गंभीर रूप से घायल है, इसके पूर्व भी इसी सांड ने 5 से 6 लोगों को मारकर घायल कर दिया था।बावजूद इसके भी अब तक गुजरी बाजार परिसर में आवारा मवेशियों की रोकथाम के कोई प्रबंध नहीं किए गए है। हमारी मांग है कि उक्त आवारा सांड को पड़कर काँजीहौस भेजा जाए,वही अन्य आवारा मवेशियों पर भी लगाम लगाई जाए।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार युवक घायल, चालक कार समेत फरार

बस स्टैंड के समीप बैहर रोड पर हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के बस स्टैंड के समीप बैहर रोड पर बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।घायल युवक मो. साबिर शेख पिता मो. यासीन शेख 25 वर्ष वार्ड नंबर 10, रजा नगर बालाघाट निवासी है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मो. साबिर शेख शादी-विवाह में सेहरा पढ़ने का कार्य करता है। 22 जनवरी बुधवार सुबह लगभग 10 बजे साबिर शेख स्कूटी से बस स्टैंड नाश्ता करने आया था। नाश्ता करने के बाद वह स्कूटी से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बस स्टैंड से कुछ ही दूरी पर बैहर रोड स्थित डॉक्टर लिल्हारे के निवास के पास बैहर रोड की ओर से तेज गति से आ रही एक कार ने उसकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। कार की जबरदस्त टक्कर से साबिर शेख स्कूटी सहित सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। उसी समय मौजूद किसी व्यक्ति ने घायल इस युवक को स्कूटी से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने घायल युवक का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दी है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

खरखड़ी में महिला से जेठ और जेठानी ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खरखड़ी में एक महिला ने अपने जेठ और जेठानी के विरुद्ध मारपीट और जान से खत्म करने की धमकी देंने का आरोप लगाई। ।बुधवार को दोपहर में यह घटना आपसी पारिवारिक रंजिश के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला गीता पति अंकुश सानसरोदे 28 वर्ष के द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने उसके जेठ संतोष पिता दुर्योधन सानसरोदे और जेठानी नीतू सानसरोदे के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खरखड़ी निवासी गीता सानसरोदे अपने परिवार के साथ मजदूरी करती है। जिनके समीप ही उनके जेठ संतोष सानसरोदे अपने परिवार के साथ रहते हैं और दोनों परिवार के बीच पारिवारिक विवाद के चलते एक दूसरे के घर लम्बे समय से आना-जाना बंद है। और दोनों परिवार के बीच आपसी रंजीश बनी हुई है। 21 जनवरी को दोपहर 1ः30 बजे गीता अपने घर के आंगन में खड़ी थी तभी उसके जेठ संतोष और जेठानी नीतू अपने घर के आंगन में खड़े थे। दोनों ने गीता से बोले कि तेरे बच्चे हमारे घर के आंगन में नहीं आना चाहिए। तब गीता ने उन्हें बोली की तुम भी मेरे आंगन में मत आना। आंगन में आने-जाने के लेकर विवाद हो गया और दोनों और गीता को उसके जेठ संतोष और जेठानी नीतू ने आवेश में गीता को उसके घर के आंगन में आकर अश्लील गालियां देने लगे। गीता ने उन्हें गालियां देने से मना की तभी संतोष ने अपनी पत्नी नीतू के साथ मिलकर गीता को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे, नीतू ने एक ईंट उठाकर गीता को मारी जिससे उसे चोटे आई ।जिसके बाद गीता को उसके जेठ संतोष और जेठानी नीतू ने ज्यादा बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद गीता रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची ।खैरलांजी पुलिस ने गीता का इलाज और मुलाहिजा अपने यहां के सरकारी अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके जेठ संतोष और जेठानी नीतू के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

26 जनवरी को शालाओं में होगा विशेष भोज का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2026 को शासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं में मध्यान्ह भोजन के अन्तर्गत बच्चों को विशेष भोजन परोसा जायेगा। विशेष भोज के अंतर्गत बच्चों को सब्जी-खीर-पुरी अथवा सब्जी-पुरी-हलवा के साथ लड्डू का वितरण किया जाएगा। शासन ने विशेष भोज के लिये जनसहयोग एवं जनभागीदारी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है तथा इस अवसर पर जनसहयोग प्रदान करने वाले नागरिकों तथा जनप्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करने कहा गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिले के सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक एवं जनशिक्षा केन्द्र के प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शालाओं में मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत विशेष भोज के रूप में बच्चें को सब्जी-खीर-पुरी या सब्जी-पुरी-हलवा के साथ लड्डू का वितरण सुनिश्चित करें।

दो पक्षों के बीच विवाद में पुलिस नहीं लिख रही रिपोर्ट

एसपी कार्यालय ज्ञापन सौपने पहुचे पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फिर हिरनमटोला में 16 जनवरी की शाम दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पीड़ित पक्ष की शिकायत थाने में दर्ज नहीं की जा रही है, ऐसा आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार द्वारा गुरुवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया है जहां सौपे गए इस ज्ञापन में परिजनों द्वारा सड़क निर्माण से जुड़े मामले को लेकर गाली गलौज व विवाद कर ,मारपीट करने वाले सभी लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है। एसपी कार्यालय में ज्ञापन लेकर पहुंचे परिजनों ने बताया कि उनके घर के सामने सरकारी भूमि है जबकि आरोपी पक्ष उनके घर के सामने निवास करता है।शासकीय योजना के तहत घर के सामने से सड़क बनाई जानी थी जिसको लेकर दोनो तरफ से थोड़ी-थोड़ी भूमि लेकर सड़क का निर्माण कराया था, लेकिन सामने वाले आरोपी पक्ष के रौब को देखते हुए उसके घर के सामने की जमीन छोड़कर सिर्फ हमारे घर के सामने आंगन भूमि सड़क के लिए ले ली गई। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी की शाम करीब 7 बजे इसी बात को लेकर सामने वाले पड़ोसी व्यक्ति ने अपने अन्य परिजनों व साथियों को साथ लेकर विवाद किया और हमारे परिवार के आधा दर्जन से अधिक लोगों के साथ

हाथ मुक्के लाठी डंडों के साथ मारपीट की गई ,महिलाओं, लड़के लड़कियों और बुर्जुगो के साथ भी मारपीट कर घायल किया गया जिसकी रिपोर्ट चांगोटोला पुलिस द्वारा नहीं लिखी जा रही है, पीड़ित परिवार ने बताया कि उनके घर में घुसकर घर के सभी सदस्यों के साथ मारपीट की गई है बावजूद इसके भी आरोपी पड़ोसी के कहने पर पुलिस द्वारा हमारे खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। लेकिन हम पीड़ित होने के बावजूद भी हमारी एफआईआर नहीं लिखी जा रही है। जिसके चलते वे आज एसपी कार्यालय में ज्ञापन सौंपने आए हैं ताकि इस मामले में हमे इंसाफ मिल सके।

विवाद का वीडियो भी हुआ वायरल

चांगोटोला के हिरमनटोला में दो परिवारो के बीच लाठियां चली। सामने आए वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि पीड़ित परिवार पर किस तरह से एक परिवार के लोगों ने हमला किया है। इस मामले में पीड़ित परिवार ने गुरूवार को अपरान्ह, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। पीड़ित परिवार को आरोप है कि इस मामले में चांगोटोला पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है।

हमे मामले में इंसाफ चाहिए- बसेने

पीड़ित पक्ष के प्रेमलता और उनके पति दुर्गाप्रसाद बसेने ने सँयुक्त रूप से बताया कि हमारा और बोधन बसेने का मकान आबादी में बना है। बोधन बसेने ने जेसीबी से पंचायत द्वारा निर्मित की गई सड़क को खुदवा दिया। जिसको लेकर हुए विवाद में उन्होंने पिता चैनलाल बसेने को घर ले जाकर मारपीट की और उसे मरा समझकर पैक्रा(घुडो) के ढेर की आड़ में फेंक दिया। जो हमें बेहोश मिले। जिसके बाद, हम उन्हें जिला अस्पताल लेकर गए। जहां भर्ती कर उसका उपचार किया गया। जिनके सिर और पसली में चोटें है। उन्होंने बताया कि हमने डायल 112 को बुलाया था लेकिन वह काफी देर बाद पहुंची। जिसके बाद जब हम चांगोटोला थाना पहुंचे तो पुलिस ने भी देखा कि किस प्रकार बोधन बसेने और उसके परिवार के लोगो के हाथा में डंडे रखे थे। जिसके बाद जब हम थाने पहुंचे तो हमारे बताए अनुसार ना शिकायत लिखी गई और ना ही हमारा ईलाज कराया गया। घटना के बाद से हमला करने वाले लोग खुलेआम घूम रहे है और हमें धमकी दे रहे है। जिससे हमें जान का खतरा बना है। दुर्गाप्रसाद बसेने के परिवार ने पुलिस अधीक्षक से इस मामले में हस्तक्षेप कर आरोपियों पर कार्यवाही की मांग की हैं।

आस-पास की खबरें

एजुकेयर पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित एजुकेयर पब्लिक स्कूल में गत दिवस वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम नरेश धुवारे जिलाध्यक्ष एथलेटिक संघ बालाघाट के मुख्य आतिथ्य, कमलकांत बिठले, पूर्व प्राचार्य एवं मास्टर ट्रेनर आनन्दम विभाग के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस

खेल-कूद प्रतियोगिता में बच्चों की परेड, एरोबिक्स प्रदर्शन, 50 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, रिले दौड़, फ्रॉग दौड़, हाप दौड़, थ्री लेग दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं हेड बॉय पारस शांडिल्य और हेड गर्ल रति कालरा ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी टीम का नेतृत्व किया। साथ ही अन्य प्रतिभागियों में वृंदा सिरसाम, रूचि आश्वले, एतिशा यादब, हर्ष शांडिल्य, प्रसन्न राहंगडाले, सिध्दार्थ गौतम शामिल रहे। वहीं स्कूल प्राचार्य के के विरुरकर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे स्कूल के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और हमें गर्व है कि हमारे छात्रों ने इतनी अच्छी तरह से प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन स्वाति पारधी, सुनीता मंडिया, अंजना राणा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संरक्षक, डायरेक्टर्स डॉ. अरूण लानगे, अमित तिवारी, शिक्षिका श्रीमती अंजना राणा, स्वाति पारधी, सुनीता मण्डिया, सारंग सागर, आकांक्षा सराठे, संगीता टेम्भरे, पूनम बोपचे, गीता पांडे, डॉली गौतम, नेहा यादव, माहेश्वरी यादव, श्यामकला पारधी, ज्योति नामदेव, ज़ोया खान, क्षितिज राखडे, दीक्षा सहारे, तितिक्षा बिसेन, गायत्री हरिनखेड़े, नामदेव नागेश्वर, पूजा बिसेन, रितोष यादव, मनोज मेश्राम, राकेश भगत, रितिक कश्यप, वसीम, रविन्द्र, नविता ढांडे व हेमलता सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भवन के अभाव में भविष्य से खिलवाड़: एक ही कमरे में लैब और कक्षा हो रही संचालित

छात्र-छात्राओं की पढ़ाई हो रही प्रभावित, हायर सेकेण्डरी स्कूल के भवन निर्माण की मांग उठी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन की ओर से शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बड़े-बड़े दावे तो किये जाते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण शासकीय एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी है, जहां शासन के द्वारा स्कूल का दर्जा और कक्षाएं तो बढ़ा दी गई यानि की विगत वर्ष पूर्व हाई स्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन तो कर दिया गया है लेकिन हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन का निर्माण अब तक नही किया गया है। ऐसी स्थिति में हाई स्कूल के भवन में ही हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित हो रही है, जहां कमरों का अभाव है। आलम यह है कि विद्यालय में कमरों के अभाव में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हो रही है और अव्यवस्था के बीच शिक्षा दी जा रही है। इस तरह से कमरे के अभाव में एक ही कमरे में लैब और कक्षाएं संचालित हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि स्कूल प्रबंधन के द्वारा कई बार प्रशासन को भवन निर्माण की मांग की गई है। लेकिन अब तक हायर सेकेण्डरी स्कूल के भवन का निर्माण नही किया गया है। साथ बाउण्ड्रीवाल भी नही है ऐसी स्थिति में स्कूल परिसर के अंदर असामाजिक तत्व रात में अंदर घुस कर गंदगी कर देते है और चोरी होने की भी संभावना बनी रहती है। वहीं हाई स्कूल का भवन जीर्णशीर्ण होने लगा है और कमरों की कमी के चलते नये सत्र में कक्षा संचालित करने में स्कूल प्रशासन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए स्कूल के विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन का जल्द निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

बाउण्ड्रीवाल नही होने से चोरी होने की बनी संभावना

आपकों बता दें कि घोटी स्थित शासकीय एकीकृत उमा. विद्यालय की स्थिति इतनी चिंताजनक है कि एक ही कमरे का उपयोग बहुउद्देशीय तरीके से किया जा रहा है। इसी कमरे में कंप्यूटर लैब संचालित है, यहीं कृषि, विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं अपना प्रायोगिक कार्य करते हैं और इसी स्थान पर नियमित कक्षाएं भी लगाई जा रही हैं। एक साथ इतने कार्यों के संचालन से न तो छात्र-छात्राएं एकाग्र हो पा रहे हैं और न ही शिक्षकों को पढ़ाने में सुविधा हो रही है। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि भवन की कमी को लेकर विभाग और वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार लिखित में अवगत करवाया गया है। साथ ही स्कूल स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था करने की हरसंभव कोशिश की गई, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण व्यवस्था नही हो पा रही है। शासन-प्रशासन को कई बार मांग पत्र सौंपने के बाद भी अब तक कोई सार्थक परिणाम देखने को नहीं मिला है। वहीं इस मामले में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय शिक्षा और विकास की बात करने वाले नेता अब विद्यालय की इस दुर्दशा पर मौन साधे हुए हैं। जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के कारण विद्यालय को नया भवन या अतिरिक्त कक्ष नहीं मिल पा रहा हैं, जिसका सीधा खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है और कमरों के अभाव में कक्षाओं का आपस में विलय करना पड़ रहा है, जिससे शोर-शराबे और भीड़ की स्थिति बनी रहती है। प्रयोगशाला जैसे महत्वपूर्ण कार्य महज खानापूर्ति बनकर रह गये हैं। यदि समय रहते प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो घोटी क्षेत्र के बच्चों का शैक्षणिक भविष्य अंधकारमय हो सकता है।

भवन के अभाव में पढ़ाई हो रही प्रभावित - तीरथ

सरपंच तीरथसिंह बिसेन ने बताया कि घोटी के शासकीय एकीकृत हायर सेकेण्डरी स्कूल का संचालन हाई स्कूल के भवन में किया जा रहा है। लेकिन कक्ष की कमी के चलते बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। साथ ही बाउण्ड्रीवाल नही होने के कारण स्कूल परिसर में लोग अवैध कब्जा कर रहे है एवं मवेशी अंदर घुस कर पौधों को भी नुकसान पहुंचाते है और बच्चों के खेलने के लिए व्यवस्थित खेल मैदान भी नही है। श्री

बिसेन ने बताया कि भवन की समस्या को लेकर कई बार क्षेत्रीय विधायक, सांसद व प्रशासन को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और प्रतिवर्ष बच्चों की संख्या बढ़ती है। ऐसी स्थिति में स्कूल प्रबंधन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल का जल्द नवीन भवन का निर्माण करवाये।

अतिरिक्त कक्ष एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाये प्रशासन - ओमकार

शास एकीकृत उमावि. घोटी प्रभारी प्राचार्य ओमकार मोहारे ने बताया कि कक्षा 1 से लेकर 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित की जा रही है एवं कक्षा 11 वीं से कृषि, विज्ञान संकाय के साथ ही प्रायोगिक कक्षाएं, कम्प्यूटर लैब भी शामिल है। लेकिन कमरों के अभाव में कक्षा संचालित करने में बेहद परेशानियों को सामना करना पड़ता है। एक ही कमरे में दो कक्षाएं लगानी पड़ती है जिससे बच्चों का एकाग्र मन नही रहता है जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। श्री मोहारे ने बताया कि स्कूल के आसपास

सुरक्षा की दृष्टि से बाउण्ड्रीवाल भी नही है, जिसके कारण रात्रि के समय असामाजिक तत्व स्कूल परिसर में गंदगी कर देते है। साथ ही यह भी बताया कि नवीन सत्र में काफी परेशानियां होगी कक्षा संचालन में इसलिए प्रशासन से मांग है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन निर्माण में विलंब है तो अतिरिक्त कक्ष एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाये ताकि कमरों की जो कमी है वह दुर हो सके।

अनुभूति कार्यक्रम: स्कूली छात्र-छात्राओं ने जाना वन्य जीवन का महत्व

नवेगांव जंगल क्षेत्र का विद्यार्थियों ने भ्रमण कर ली औषधियों की जानकारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वन विभाग एवं ईको पर्यटन बोर्ड के निर्देशानुसार वन्य प्राणी और पर्यावरण के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से 'अनुभूति कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। बुधवार को दक्षिण

सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत लालबर्रा परिक्षेत्र द्वारा सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली और नवेगांव स्कूल के विद्यार्थियों को नवेगांव जंगल क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। इस वर्ष यह कार्यक्रम 'हम हैं धरती के दूत' थीम पर आयोजित किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पारिस्थितिकी तंत्र में बाघ के महत्व और प्रकृति के विभिन्न घटकों के बारे में विस्तार से समझाया। वहीं प्रकृति के करीब रहकर विद्यार्थियों ने सीखा कि पर्यावरण संरक्षण क्यों आवश्यक है।

पक्षी दर्शन और वन्यजीवों की ली जानकारी

अनुभूति कार्यक्रम के तहत इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जंगल के शांत वातावरण में पक्षी दर्शन का आनंद लिया। वहीं अधिकारियों ने उन्हें चील, उल्लू और बाज जैसे पक्षियों की पहचान और उनकी विशेषताओं के बारे में बताया। साथ ही बाघ, तेंदुआ और हिरण जैसे वन्यप्राणियों के व्यवहार और उनके आवास के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। वहीं विद्यार्थियों ने न केवल वन्यजीवों को जाना, बल्कि जंगल में पाई जाने वाली विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों और दुर्लभ औषधीय पौधों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। मास्टर ट्रैनर एवं वन अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार ये वनस्पतियां मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के संतुलन के लिए जरूरी हैं।

इस शैक्षणिक भ्रमण में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन्य जीवन को करीब से महसूस किया। साथ ही प्रश्नोत्तरी सहित अन्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लिये और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिया गया। दूरभाष पर चर्चा में दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि वन विभाग एवं ईको पर्यटन बोर्ड के निर्देशानुसार अनुभूति कार्यक्रम के तहत सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि अमोली व नवेगांव स्कूल के छात्र-छात्राओं को बुधवार को वनग्राम नवेगांव का भ्रमण करवाया गया है और उन्हे वन्य प्राणी, पशु, पेड-पौधों की जानकारी देकर उनके साथ सांझा किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि अनुभूति कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य की जानकारी एवं अनुभवों के माध्यम से पारिस्थितिकीय तंत्र के घटकों की व्याख्या, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, पक्षी दर्शन, वन औषधी एवं वन प्रबंधन की सामान्य जानकारियों से छात्र-छात्राओं को अनुभव प्रदान करना है। इस अवसर पर वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, मास्टर ट्रैनर ज्ञानचंद शर्मा, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, रेंजर श्रीमती सीता भलावी सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर पांढरवानी में गूंजा सुंदरकांड

हवन-पूजन के साथ हुआ भव्य आयोजन, महाप्रसादी के साथ संपन्न हुआ उत्सव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखा गया। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित हनुमान, दुर्गा मंदिर में महिला मंडल समिति के तत्वाधान में 22 जनवरी को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। महिला मंडल की सदस्यों द्वारा प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की महिमा का गुणगान किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा और सुंदरकांड के समापन के पश्चात विधि-विधान से हवन-पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मंदिर के पुजारी (पंडित जी) के द्वारा वैदिक मंत्रो%चार के साथ जजमानों की प्रमुख उपस्थिति में हवन पूजन संपन्न करवाया गया और उपस्थित श्रध्दालुओं ने हवन कुंड में पुर्णाहुतियां अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृध्दि की कामना की। वहीं कार्यक्रम के अंत में भगवान की भव्य आरती उतारी गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए तत्पश्चात भंडारारूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। महिला मंडल समिति की सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भगवान श्रीराम की आराधना के साथ-साथ समाज को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देना है। इस अवसर पर महिला मंडल समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनपद में गणतंत्र दिवस पर्व मनाने आयोजित हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में बुधवार को गणतंत्र दिवस पर्व मनाने की तैयारी हेतु आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक जनपद उपाध्यक्ष, शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित शासकीय/अशासकीय स्कूलों के प्राचार्य एवं अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थित में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही उपस्थितजनों ने अपने-अपने विचार रखे। वहीं आयोजित बैठक में आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त शासकीय/अशासकीय संस्थाओं में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किये जाने एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया और सभी को यह राष्ट्रीय पर्व सौहार्दपूर्वक मनाने की अपील की गई। चर्चा में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी हेतु शैक्षणिक संस्थान सहित अन्य विभागों की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें गणतंत्र दिवस मनाने की रूपरेखा तैयारी की गई है और शासकीय, अशासकीय संस्थाओं में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। इसी कड़ी में जनपद पंचायत में प्रात: 7.30 बजे जनपद अध्यक्ष एवं बस स्टैण्ड गांधी मंच में प्रात: 8.45 बजे जनपद उपाध्यक्ष के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। इस

अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल के प्राचार्य एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

खरीदी केन्द्रो में धान डंप होने से अटका हजारों किसानों का भुगतान

भुगतान को लेकर किसान आक्रोशित बैंक सोसायटी के लगा रहे चक्कर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

शासन के समर्थन मूल्य उपार्जन कार्य के तहत वारासिवनी के जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंतर्गत आने वाली १० सोसायटियों के १३ खरीदी केन्द्रो का निर्माण कर किसानो की उपज खरीदी गई। यह उपार्जन कार्य १ दिसंबर से २० जनवरी तक चला जिसमें क्षेत्र के हजारों किसानों के द्वारा अपनी उपज समर्थन मूल्य पर शासन को दिया। परंतु खरीदी केन्द्रो में खरीदी किया गया हजारों क्विंटल धान डंप पड़ा हुआ है जिससे किसानों का भुगतान भी डंप हो गया है। ऐसे में भुगतान के लिए किसान सोसायटी एवं बैंक के चक्कर लगा रहे है,परंतु सोसायटी में ४८३४८ क्विंटल धान डंप होने से यह स्थिति निर्मित हुई है। जो परिवहन होने के बाद ही भुगतान हो पाएगा ऐसे में किसानों के अंदर शासन प्रशासन को लेकर काफी आक्रोश व्याप्त है। वह उक्त उपज का परिवहन कर भुगतान करने की मांग कर रहे हैं।

७ समिति १ वेयरहाउस में डंप हैं ४८३४८ क्विंटल धान

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा वारासिवनी अंतर्गत १० सोसायटी आती है। जिसमें समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन कार्य करने के लिए किसानों की सुविधा को देखते १३ खरीदी केंद्र स्थापित किया गए थे। जहां ६ खरीदी केंद्र वेयरहाउस में एवं ७ खरीदी केंद्र सोसायटी को बनाया गया था। जिसमें ७ समिति और १ वेयरहाउस में परिवहन ना होने और वेयरहाउस फुल होने के कारण डंप की स्थिति बनी हुई है। जैसे सावंगी में ७१२६ क्विंटल धान की १७८१६ बोरियां ,बुदबूदा में ६५०८ कुंटल धान की १६२७१ बोरियां ,कोचेवाही वेयरहाउस में २३३७ क्विंटल धान की ५८४३ बोरियां ,रमरमा में ६७५८ क्विंटल धान की १६८९६ बोरियां ,झालीवाड़ा में ४०८४ क्विंटल धान की १०२११ बोरियां ,अंसेरा में ६०२४ क्विंटल धान की १५०५९ बोरियां ,थानेगांव में ८१६८ क्विंटल धान की २०४१९ बोरियां ,कोस्ते में ७३४२ क्विंटल धान की १८३५६ बोरिया डंप पड़ी हुई है। इस प्रकार आठ खरीदी केन्द्रो में ४८३४८ क्विंटल धान की १२०८७१ बोरियां डंप पड़ी हुई है। यह धान किसानो के द्वारा सेवा सहकारी समिति के माध्यम से शासन को दिया गया है ,उसके भुगतान की समस्या सामने खड़ी है क्योंकि परिवहन के बाद ही भुगतान तय होना है। वहीं पांच खरीदी केंद्र जैसे वारासिवनी, खापा, कायदी १, कायदी २, एवं जागपुर की खरीदी वेयरहाउस में हुई थी जिसका खरीदी किया गया। पूरा धान वेयरहाउस में भंडारण हो जाने से इन खरीदी केदो में डंप की स्थिति शून्य हैं।

९१७ किसानों ने समर्थन मूल्य पर नहीं दिया धान

वारासिवनी अंतर्गत प्रशासन के द्वारा बनाए गए १३ धान उपार्जन केन्द्रो में हर बार की तरह इस बार भी शत प्रतिशत किसानों के द्वारा धान नहीं दी गई। जिसमें कुछ किसानों के द्वारा धान बेचने के लिए स्लॉट बुक नहीं किया गया तो वहीं कुछ स्लॉट बुक करने वाले किसान समय पर धान नहीं दे पाए। ऐसे में १० सोसायटी में ८६७१ कुल किसानों के द्वारा खरीफ की फसल शासन को देने पंजीयन किया गया था। जिसमें ७९२२ किसानों के द्वारा ही ऑनलाइन पोर्टल पर समर्थन मूल्य पर धान देने के लिए स्लॉट बुक किया गया। जिसमें ७४९ किसानों के द्वारा स्लॉट बुक नहीं किया गया। वहीं ७९२२ किसानों में से ७७५४ किसानों के द्वारा ही समर्थन मूल्य पर अपनी उपज २० जनवरी तक खरीदी केंद्र में उपस्थित होकर दी गई। इसमें १६८ किसान स्लॉट बुक होने के बाद भी धान देने से वंचित होगा या धान देने ही नहीं पहुंच पाए। इस प्रकार स्लॉट बुक नहीं करने वाले ७४९ और स्लॉट बुक करने वाले १६८ किसान मिलकर ९१७ किसानों के द्वारा इस वर्ष शासन को धान नहीं दी गई।

शासन की नीतियों से किसान परेशान है-सुभाष

कृषक मजदूर संघ अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि सोसायटी में धान बहुत ज्यादा मात्रा में डंप पड़ा हुआ है। उपज का उठाव नहीं हो रहा है जिससे किसान परेशान है अभी किसानों को रबी की फसल लगाना है भुगतान की जरूरत है कर्ज देना है। खुद के खर्च है और जब तक सोसायटी में रखी किसान की धान का परिवहन नहीं होगा तब तक उसे भुगतान नहीं आएगा। यह जो डंप रखा हुआ है इसका सरकार की नीति के तहत रोजाना परिवहन होना चाहिए। समय पर उठाव होगा तो भुगतान होगा आगे कई प्रकार के कार्य किसान को करना है परंतु वह परेशान है। क्योंकि परिवहन की अव्यवस्था से यह दिक्कत उत्पन्न हुई है। हम चाहते हैं शासन के नियम अनुसार परिवहन कर भुगतान किया जाए।

खरीदी केंद्रों से धान का उठाव नही होने से किसानों में भारी आक्रोश-पीतांबर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि किसानो ने अपनी उपज लाकर सोसायटी में दे दिया परंतु उसका भुगतान में विलंब हो रहा है। किसान परेशान है क्योंकि किसान खेती पर निर्भर है और वह इंतजार करता है धान बेचने से आने वाले रुपये से वह सपना देखा है कि बच्चों के विवाह शिक्षा दैनिक उपयोग को करेगा। पर धान का उठाव नहीं हो रहा है अब इसमें शासन प्रशासन या ट्रांसपोर्ट किसकी समस्या है पता नहीं किंतु किसान परेशान है। पहले १० दिन में भुगतान आता था शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि उठाव क्यों नहीं हो रहा है। आज सोसायटी में धान की छलिया पड़ी हुई है अब किसान क्या करेगा।

आनंद उत्सव परम्परागत खेलो को पुर्नजीवित करने का प्रयास-श्रीमती दांदरे

नगर पालिका ने आनंद उत्सव का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंतिबाई स्टेडियम में नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में २२ जनवरी को आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नपाध्यक्ष श्रीमति सरिता मनोज दांदरे ,पार्षद योगेन्द्र मोनू लिमजे ,पवन धुर्वे ,मनोज दांदरे ,नपा सीएमओ सूर्यप्रकाश उके की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात आनंदक विलाश उरकुड़े के द्वारा आनंद विभाग एवं आनंद संस्थान की विस्तृत रूपरेखा एवं आनंद उत्सव पर विस्तार से प्रकाश डाल कर बताया गया। जिसके बाद आनंद उत्सव जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिको में सहभागिता एवं उत्साह को बढाने के लिये समूह स्तर पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना है। आनंद उत्सव की मूल भावना प्रतिस्पर्धा नही सहभागिता है इसी को दृष्गित रखते हुए शासन दिशा निर्देश अनुसार आनंद उत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें रस्साकसी, म्युजिकल चेयर रेस, चम्मच नीबू दौड़ एवं अन्य परम्परागत स्थानीय खेलो का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता में एनसीसी एनएसएस एवं अन्य गणमान्य नागरिकों के द्वारा खेल प्रतियोगिता में सहभागिता दर्ज कराकर आनंद लिया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि आनंद उत्सव के माध्यम से परम्परागत खेलो को पुर्नजीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश शासन की अनूठी पहल है जिसमें बच्चो के साथ साथ समाज के सभी आयु वर्गो युवा, महिला, पुरूष, वृद्धजन, दिव्यांग समारोह पूर्वक शामिल होकर परम्परागत खेलो के माध्यम से अपने जीवन को आनंदित कर सकते है। ऐसे आयोजन न केवल मनोरंजन प्रदान करते है बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते है। इस अवसर पर श्रीमति मनीषा सुनिल पिपरेवार, पूर्व नपा उपाध्यक्ष राजदीप तुरकने ,अमोल देशपाण्डे ,श्रीमती आशा गौतम, श्रीमती नर्मदा बिसेन ,श्रीमती कविता शर्मा ,अमित कारसर्पे ,कृष्णा झारिया ,शेंकी शेखपुरी ,पंकज परते ,हेमन्त मंडाले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिले में खेल के प्रति युवाओं की भावना लगातार बढ़ते जा रही है - प्रदीप जायसवाल

कायदी ऑल इंडिया व्हालीवॉल टुर्नामेंट में बिलासपुर रेल्वे ने दर्ज की धमाकेदार जीत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कायदी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संजय व्हालीवॉल क्लब कायदी के तत्वावधान में चार दिवसीय ऑल इंडिया व्हालीवॉल टूर्नामेंट का समापन २१ जनवरी को किया गया। इस टूर्नामेंट में गुजरात, बिलासपुर रेल्वे, आजमगढ, एपी ग्रुप, पंजाब, राजस्थान, बिलासपुर रेल्वे, सागर आर्मी सहित अन्य टीमें शामिल हुई थी। जिसमें फायनल मैच रात्रि में बिलासपुर रेल्वे तथा राजस्थान की टीम के बीच ५ सेटो में खेला गया। जिसमें बिलासपुर की टीम ने ३-२ से विजयी हासिल कर आल इंडिया व्हालीवाल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। जिसमें प्रथम पुरूस्कार बिलासपुर की टीम को ३३३३३ रूपये व शिल्ड तथा द्वितीय पुरूस्कार राजस्थान की टीम को २२२२२ रूपये व शिल्ड समाजसेवी हनीफ कुरैशी के द्वारा प्रदान की गई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती भारती पारधी सांसद , प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री, आनंद कोछड़ भाजपा नेता, गगन नगपुरे, देव पंवार, बांगा उर्फ अली खान, रूपेश वैध भाजपा नेता, लक्ष्मीकांत हरिनखेंडे पूर्व जिला पंचायत सदस्य, चिरंजीव पारधी , गजेन्द्र ठाकुर , मिलिंद नगपुरे ,वेद प्रकाश पटेल , हनिफ कुरैशी , मुकेश तिवारी , गणेश अग्रवाल, श्रीमती वंदना बारमाटे, सरपंच श्रीमती रेखा जितेन्द्र नगरगढ़े सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कायदी सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र नगरगढे ने कहा कि ग्राम कायदी में विगत ९ वर्षो से लगातार आल इंडिया व्हालीवाल टूर्नामेंट का आयोजन होता है । कायदी में आल इंडिया व्हालीवाल मैच को मेले के रूप में मनाया जाता है। सांसद श्रीमती भारती पारधी से ग्राम की समस्याओं से अवगत कराया गया और बनियाटोला में रोड़ में रेल्वे से दिक्कत, कायदी में सडक चौडीकरण, गोवारी समाज के लिये सभामंच की मांग की गई। जिस पर सांसद श्रीमती भारती के द्वारा सभी मांगो को पूरा करने का आश्वासन दिया गया। वहीं श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि आज पहली बार कायदी में व्हालीवाल टूर्नामेंट में आने का मौका मिला है। उन्होने इस कायदी में जो आयोजन होता है उसमे दूर दूर से आये हुये समस्त नागरिको को तथा आयोजक मंडल समिति को बधाई दी गई। निश्चित तौर पर जो भी खेल होते है खेलो को नियमों का पालन करते हुये खेल खेलना है । अनुशासन बनाकर खेलने वाली टीम ही जीतती है आज की हार भी कल की पहली सीडी होती है यदि कोई टीम हार जाती है तो निराश नही होनी चाहिए। हार के बाद ही जीत का मार्ग प्रशस्त होता है। खिलाडी होना संम्मान का विषय है। कभी कभी अगर एक यात्री बस छूट जायें, तो दूसरी बस में हम पहले यात्री होते है। जब अटल जी की सरकार थी जब नैरोगेज से ब्राडगेज पर आये थे और अब मोदी जी की सरकार है और आगामी समय में जिले में डबल रेल्वे लाईन में ट्रेन देखने मिलेगी। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि ग्राम पंचायत कायदी चिन्नौर के नाम से जाना है वहीं दूसरी ओर व्हालीवाल टूर्नामेंट को मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण देश में जाना जाता है कायदी का टूर्नामेंट ख्याति प्राप्त है। खेल हमे शक्तियों से जोड़ता है जिसका मन व शरीर स्वस्थ्य है उसी का जीवन मंगलमय हो सकता। अनुशासन खेल के माध्यम से आता है आज जिले में खेल के प्रति युवाओं की भावना लगातार बढते जा रही है। यह साल हम नयी आवागमन क्रांति २०२६ को समर्पित कर रहे है। हाइवे,ओव्हर ब्रिज के बाद अब रेलवे की दूसरी लाइन बनाने की दिशा में पूर्णतरू ध्यान केंद्रित है। श्री जायसवाल ने ग्राम कायदी में भव्य आयोजन के लिये बधाई देते हुये आगामी समय में भव्य आयोजन किया जावेगा। आज प्रदेश व देश में भाजपा की सरकार है जिससे समुचित विकास हो रहा है। इस दौरान हजारो की संख्या में खेल प्रेमी कायदी, मेंहदीवाडा, कटंगी, बैहर, सिवनी, व जिले के बाहर से भी खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

ग्राम गर्रा टोला में भागवत कथा का हुआ समापन विधायक विवेक पटेल हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रटोला में श्री संगीतमय भागवत शिव महापुराण कथा का गुरुवार को समापन किया गया। जहां विधायक विवेक पटले पहुँचे। विधायक विवेक पटेल ने वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक शिवानंद महाराज का आर्शीवाद प्राप्त किया । वहीं कथा वाचक ने भगवान श्रीराम और शिव माता पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए कहा की माता पार्वती ने राजा हिमालय के यहां जन्म लिया था । माता पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ को मानती थीं इसलिए भोलेबाबा का विवाह पार्वती के साथ हुआ। कथा के दौरान श्रद्धांलुगण भी धार्मिक भजनो पर नृत्य करते रहें जिसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद सजीव झाँकिया भी सजाई गई थीं जो आकर्षण का केंद्र रही। विधायक विवेक पटेल ने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी मंडई मेले का माहौल चल रहा है। उसके बाद भी ग्राम गर्रा टोला में भागवत कथा के माध्यम से ज्ञान की गंगा बह रही है ग्राम गर्राटोला पूरा भक्तिमय हो गया है। हमारे क्षेत्र में बारिश के समय कुछ गांव में बाढ़ भी आ जाती है जिससे किसानो की फैसले खराब हो जाती है। फि र भी किसान दुबारा मेहनत करके उस फसलो को उगता है और अपने परिवार का जीवन यापन करता है। फिर भी सरकार किसानों की मेहनत का दाम नहीं दे पाती है,ग्राम में भागवत करना और भागवत सुनना यह बहुत किस्मत की बात होती है। जो जैसा कर्म करेगा उसे वैसा फ ल मिलेगा इसलिए दूसरों के बारे में अच्छा सोचे, अच्छा करें,अच्छे इंसान बने,भागवत हमें जीवन जीने की शैली सिखाती है। यदि सृष्टि में अधर्मी अहंकारी कंस का जन्म हुआ है तो उसका अंत करने के लिए भगवान कृष्ण का अवतार हुआ है ।अगर आप दिल और मन से शिव भगवान को आकर्षित करने लगेंगे तो निश्चित ही भगवान शिव आपकी मनोकामना जरूर पूरी करेंगे। बड़ी से बड़ी विपत्ती कष्ट भोलेनाथ दूर करेंगे शंब्दो से प्रेरणा देने वाला हर कोई मिल जायेगा पर अपने व्यहारो और अपने आचरणों से प्रेरणा देने की कोशिश करनी चाहिए । हम जो दुसरो को सिखाते है वह हमें भी ग्रहण करना चाहिए।

सड़क हादसे में मुन्नी नंदा घायल स्विफ्ट चालक फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर २ डॉ बी आर आंबेडकर मंगल भवन के पीछे २१ जनवरी की रात करीब ८.३० बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से पैदल चल रही मुन्नी नंदा गंभीर रूप से घायल हो गई। जहां मौके पर स्विफ्ट कार चालक टक्कर मारने के बाद कार सहित फरार हो गया। मामले में पुलिस ने घायल की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल मुन्नी पति विजय नंदा ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि मैं वार्ड नं.३ वारासिवनी रहती हूं गृहणी का काम करती हूं। २१ जनवरी की रात्रि करीबन ८.३० बजे की बात है मैं अपने घर से किराना दुकान सामान लेने पैदल जा रही थी। जैसे ही मै किराना दुकान के सामने रोड़ पर पहुंची तो उसी समय वारासिवनी मेन रोड़ तरफ से एक सफेद रंग की गाडी के चालाक के द्वारा अपनी गाडी तेज रफतार में चलाते हुये लाया और मुझे पीछे से ठोस मार दिया। ठोस मारने से मैं रोड़ पर गिर गयी जिससे मेरे दोनो पैर व बाये हाथ में चोट लगी है। गाड़ी का चालाक ठोस मारने के बाद वहां से चला गया। वहां खडे पडोस के लोगो के द्वारा गाडी का नम्बर देखे है जो गाडी मारूति कंपनी की शिफ्ट हैं जिसका नम्बर एमपी ५० जेडजी ८११२ एवं चालाक विरेन्द्र दुबे निवासी वार्ड नं.२ वारासिवनी का रहने वाला है। जिसमें पुलिस के द्वारा मुन्नी नंदा की रिपोर्ट पर वीरेंद्र दुबे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा १२५,२८१ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा १८४ के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

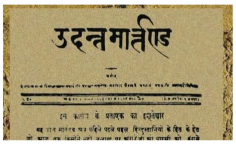

पर्यावरण की परवाह बेहद ज़रूरी

देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-श्रृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है! हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है।

यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं। क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी।

दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-श्रृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

नीट पीजी -आरक्षण बनाम योग्यता

-डॉ. रवींद्र पीएस

काउंसलिंग के बाद भी निजी कॉलेजों में हजारों सीटें खाली रह जाती हैं क्योंकि उनकी वार्षिक फीस ही 25 लाख से 60 लाख रुपये तक होती आजकल नीट पीजी का 'कट-ऑफ मार्क्स' चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इसी बहाने आरक्षण का विरोध भी अपने चरम पर है। कुछ स्वघोषित 'मेरिटोरियस' लोग SC/ST/OBC वर्गों के प्रति अभद्र टिप्पणियाँ कर रहे हैं। यद्यपि यह क्षेत्र हम मानविकी (Humanities) के विद्यार्थियों से भिन्न है, परंतु आरक्षण जैसे राष्ट्र-निर्माण के गंभीर विषयों पर हो रही ओछी टिप्पणियों ने ध्यान आकर्षित किया। गहराई से देखने पर यहाँ मामला कुछ और ही नजर आता है।

MBBS उत्तीर्ण डॉक्टरों को PG में प्रवेश हेतु दो काउंसलिंग आयोजित की गई। सरकारी सीटें तो भर गई, लेकिन अधिकांश प्राइवेट कॉलेजों की सीटें खाली रह गईं। इन निजी मेडिकल कॉलेजों की सीटों को भरने के लिए ही कट-ऑफ में भारी गिरावट की गई है। केंद्र सरकार के निर्णय के अनुसार:

सामान्य श्रेणी: कट ऑफ 50
परसेंटाइल से घटाकर 7 परसेंटाइल कर दी गई।
दिव्यांग श्रेणी: 45 परसेंटाइल से
घटाकर 5 परसेंटाइल ।
SC/ST/OBC: 40 परसेंटाइल से घटाकर 0 (शून्य) कर दी गई।

इस नीतिगत बदलाव के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है और सवाल भी उसी से पूछे जाने चाहिए। सरकार से पूछा जाना चाहिए कि इस निर्णय का वास्तविक उद्देश्य क्या है? यह किसके लाभ के लिए किया गया है? क्या यह केवल प्राइवेट कॉलेजों की मोटी फीस सुनिश्चित करने के लिए नहीं है? क्या यह उन 7 परसेंटाइल' वाले रसूखदार 'मेरिटधारियों' के लिए नहीं है?

स्वास्थ्य मंत्रालय के पिछले आंकड़ों के

अनुसार,

कट-ऑफ को 'जीरो' या अत्यंत कम करने का यह प्रयोग पहले भी विवादों में रहा है। मेडिकल काउंसिल के विशेषज्ञों का मानना है कि योग्यता (मेरिट) का असली क्षरण आरक्षण से नहीं, बल्कि उस 'कैपिटेशन फीस' और 'पेड सीटों' से होता है जहाँ शून्य योग्यता वाला व्यक्ति भी केवल पैसे के दम पर डॉक्टर बन जाता है। इस प्रकार की नीतियां' हेल्थकेयर कमर्शियलाइजेशन' को बढ़ावा देती हैं, जहाँ शिक्षा की गुणवत्ता से अधिक व्यापारिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ मानसिक रूप से संकीर्ण लोग अपनी कुंठा स्ष्ट/स्ञ्ञ और पिछड़ों को अपशब्द कहकर निकाल रहे हैं। सच्चाई यह है कि इन निजी कॉलेजों की 2 से 2.5 करोड़ रुपये की फीस भरना 'धनपशुओं' (जिनमें 99% सवर्ण संपन्न वर्ग है) के अलावा किसी के बस की बात नहीं है। भारत का आम जनमानस आज भी उच्च शिक्षा (मेडिकल और इंजीनियरिंग) के लिए सरकारी संस्थानों पर ही भरोसा करता है।

देखा जाए तो यह सीधा-साधा मामला महंगे निजी मेडिकल कॉलेजों को आर्थिक लाभ पहुँचाने का है। कट-ऑफ कम करने का वास्तविक लाभ उन संपन्न परिवारों के छात्रों को मिल रहा है, जो योग्यता (मेरिट) के आधार पर सरकारी कॉलेजों में स्थान नहीं बना पाए। यदि SC/ST/पिछड़ा वर्ग की कट-ऑफ-1000 भी कर दी जाए, तब भी उनकी सीटें खाली ही रहेंगी, क्योंकि 1त्न अपवादों को छोड़ दें तो इस वर्ग के पास 2-3 करोड़ रुपये देने की हैसियत नहीं है। मेडिकल कैरियर गाइडेंस विरोधी दुर्भावना से ग्रस्त लोगों को सलाह इसलिए, जातिवादी और आरक्षण है कि वे नीट कट-ऑफ घटाने की इस धूर्त सरकारी नीति की जगह, वंचित वर्गों के खिलाफ विषवमन करना बंद करें। और हाँ, अगली बार जब इलाज कराने जाएं, तो डॉक्टर का 'टाइटल' जरूर देखें। कहीं वह भारी भरकम पैसे देकर प्राइवेट कॉलेज से पढ़ा हुआ (तथाकथित 7 परसेंटाइल वाला) डॉक्टर तो नहीं?

-दलाई लामा

मन आपका शत्रु नहीं है, बल्कि वह तो केवल प्रशिक्षित होना चाहता है। जब आप मानसिक अभ्यास शुरु करते हैं, तो अपने ही मन के भीतर एक गहरी यात्रा पर निकलते हैं। यहां मन ही साधन होता है और लक्ष्य भी।

विचारों के साथ युद्ध नहीं, संवाद करें

अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं कि मन को प्रशिक्षित करना इतना कठिन क्यों है? सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे सुंदर कला है, लेकिन इसके लिए थोड़े धैर्य और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। जब हम मानसिक अभ्यास शुरू करते हैं, तो हम अपने ही मन के भीतर एक गहरी यात्रा पर निकलते हैं। यहां मन ही हमारा साधन होता है और लक्ष्य भी। इसलिए चुनौतियां आना स्वाभाविक है। मुख्य रूप से दो ऐसी बाधाएं हैं, जो एक नौसिखिए और अनुभवी, दोनों के मार्ग में आती हैं। पहली है भटकाव और दूसरी है मानसिक सुस्ती, यानी आलस्य। शुरुआत में हमारा मन एक चंचल बच्चे की तरह होता है। वह यहां-वहां भागता रहता है। लेकिन धीरे-धीरे यही भटकाव उत्तेजना का रूप ले लेता है और हम अपने शांति हासिल करने के लक्ष्य को भूल जाते हैं। ऐसे क्षणों में खुद से संघर्ष करना व्यर्थ है। ऐसी स्थिति में, गहरी और छोटी-छोटी सांसें लें। सकारात्मक वाक्यों-जैसे, 'मैं तनाव से मुक्त हो रहा हूं' का सहारा लें और इसे बार-बार दोहराएं। यदि मन फिर भी न माने, तो अभ्यास रोक दें। एक बात हमेशा याद रखें कि मन आपका शत्रु नहीं है, बल्कि वह तो केवल प्रशिक्षित होना चाहता है। इसलिए, कभी-कभी केवल अपने अभ्यास के उद्देश्य को स्मरण करना ही पर्याप्त होता है। और कभी-कभी करुणा के साथ अभ्यास को कुछ समय के लिए छोड़ देना भी बुद्धिमानी होती है। अभ्यास का अर्थ कठोरता नहीं, बल्कि जागरूक लचीलापन है। दूसरी बाधा है आलस्य, जिसे मैं 'मानसिक गोता' कहता हूं। कभी-कभी हमारा मन इतना शांत और शिथिल हो जाता है कि हमारी ऊर्जा का स्तर गिरने लगता है। हमें लगता है कि हम बहुत शांत हैं, लेकिन असल में हम %जागरूक% नहीं होते। याद रखें, केवल शांति ही हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि हमारा उद्देश्य स्थिरता के साथ सतर्कता होना चाहिए। बिना पैनेपन की शांति वैसी ही है, जैसे कोई गहरी नींद में हो। यदि हम बहुत देर तक शिथिल अवस्था में रहते हैं, तो मन की तीक्ष्णता कम होने लगती है और हम वर्तमान क्षण से दूर जाने लगते हैं। इस स्थिति से बाहर निकलने के उपाय भी करुणा से भरे होने चाहिए। ऐसे में, उज्ज्वल प्रकाश की कल्पना करें, मानो चेतना भीतर से प्रकाशित हो रही हो। आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले लोग किसी श्रेष्ठ व पवित्र आकृति का स्मरण कर सकते हैं। या फिर यह कल्पना करें कि आपकी चेतना हल्की होकर आकाश की ओर उछल रही है। हर व्यक्ति के लिए अभ्यास का मार्ग अलग-अलग हो सकता है। लेकिन अभ्यास का सौंदर्य इसी में है कि आप सबसे पहले खुद को जानें कि कौन-सा उपाय आपके लिए उपयोगी है, और इसे धैर्य से खोजें। जब भी आपको लगे कि आप मार्ग से भटक रहे हैं या आलस्य आपको घेर रहा है, तो रुकें और अपनी मानसिक अवस्था को फिर से सक्रिय और जागरूक बनाएं।

सूत्र - मन को बेहतर करते रहें

जीवन में आगे बढ़ने के लिए मन को दबाना नहीं, समझना पड़ता है। स्वयं के प्रति उदार रहना और हर पल जागरूक बने रहना ही आत्म-साक्षात्कार का सबसे सरल और सुंदर मार्ग है। अभ्यास का अर्थ हर दिन खुद से ईमानदार संवाद करना है। धैर्य, करुणा और सतर्क अभ्यास से मन मित्र बन जाता है।

मुद्दा

क्या इस ठंड बारिश नहीं होगी

ठंड के मौसम में अब तक बारिश का न होना, एक घटना नहीं, बल्कि एक वैश्विक संकट का स्थानीय संकेत है।

लाख जतन करने के बाद भी दिल्ली और उसके 100 वर्ग किलोमीटर के दायरे की हवा प्रदूषण से जकड़ी हुई है और इसके निदान के लिए जिस बरसात का इंतजार है, वह कोई ढाई महीने से नदारद है। उत्तर भारत इस समय जिस तरह की मौसमी विसंगति के दौर से गुजर रहा है, यह भविष्य की भयावहता का गहरा संकेत है। हिमालय की गोदी में बसे आठ राज्य शून्य बरसात और कम बर्फबारी से हैरान हैं।

उत्तराखंड में ऐसा वर्ष 2016 के बाद पहली बार हुआ, जब दिसंबर में बारिश की एक भी बूंद नहीं गिरी। इस वर्ष समूचे उत्तरी भारत में जाड़ा अपनी पूरी ठिठुरन के साथ उपस्थित तो है, लेकिन इसमें वह नमी और सौम्यता गायब है, जो जीवन का आधार होती है। कड़ाके की ठंड के

बावजूद आसमान का साफ होना और पहाड़ों का भूरा दिखना केवल मौसम का मिजाज भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी %मौन आपदा% है, जिसका प्रभाव आने वाले कई महीनों तक हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाला है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले इस पारिस्थितिकी तंत्र में उत्तर का हिमालयी क्षेत्र एक %जल मीनार% की तरह कार्य करता है, लेकिन इस बार मीनारें सूखे की चपेट में हैं। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सर्दी के मौसम में वर्षा का घाटा 95 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया है। पहाड़ों पर होने वाली इस 'सूखी ठंड' का सीधा असर बागवानी पर पड़ रहा है। सेब के बागानों को अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए जिन 'चिलिंग आवर्स' की आवश्यकता होती है, वे पर्याप्त नमी और बर्फ के बिना अधूरे हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि नमी की इस कमी के कारण सेब की पैदावार और गुणवत्ता में 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में यह सूखी ठंड एक %विषाक्त जाल% बन गई है। सामान्यतया सर्दियों की बारिश (मावठ) हवा में मौजूद धूल और धुएं के कणों को साफ कर देती है, लेकिन इस बार बारिश न होने से प्रदूषण के कण जमीन के करीब ही ठहरे हुए हैं। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बेहद खराब' और 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। नमी रहित यह ठंडी हवा शरीर से प्राकृतिक पानी सोख लेती है, जिससे न केवल त्वचा और आंखों से जुड़े रोग बढ़ रहे हैं, बल्कि अस्पतालों में श्वसन और हृदय संबंधी रोगियों की संख्या में भी 30 से 40 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। कृषि प्रधान भारत के लिए पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना किसी बड़े झटके से कम नहीं है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रबी की फसल, विशेषकर गेहूं, इस समय नाजुक दौर में है। प्रकृति की ओर से मिलने वाली बारिश के अभाव में किसानों को बार-बार सिंचाई का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है। यदि तापमान में इसी तरह उतार-चढ़ाव बना रहा और नमी नहीं लौटी, तो गेहूं के दाने समय से पहले पक कर छोटे रह सकते हैं, जो देश के अन्न भंडार के लिए चिंता का विषय है। बरसात न होने से कश्मीर में झेलम जैसी सदानीरा नदी सूख रही है और राज्य के कई पनबिजली संयंत्र अपनी क्षमता का 40 फीसदी उत्पादन ही कर पा रहे हैं। इस तरह के मौसम से हिमाचली राज्यों के जंगलों में कई जगहों पर आग की घटनाएं समय से पहले और बड़ी संख्या में देखने को मिल सकती हैं और इसका सीधा असर जंगली जीवों और इन्सानों के बीच टकराव के रूप में दिखाई पड़ रहा है। हिमालयी क्षेत्रों में इस वर्ष सर्दियों के दौरान बारिश और पर्याप्त बर्फबारी न होने से बागवानी पर भी असर पड़ रहा है। नैनीताल जिले के रामगढ़, सूपी, सतबुंगा, धानाचूली सहित फलपट्टी क्षेत्र में बड़ी संख्या में फलदार वृक्षों पर बेमौसम फल और फूल आ गए। आमतौर पर यह मौसम पेड़ों के लिए डॉरमेसी (शीतविराम) अवस्था का होता है, जब ठंड, बारिश व बर्फबारी के चलते पेड़ सुप्तावस्था में रहते हैं।

-पंकज चतुर्वेदी

चिंता

अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी पर बनने वाली जलविद्युत परियोजना पर खड़े हुए सवाल

इस अंधी दौड़ में कुदरत को मत भूलिए

पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने अरुणाचल प्रदेश के अंजों जिले में लोहित नदी पर 1,200 मेगावॉट (MW) की कलाई-II पर्यावरण के अनुकूल मान रही है। इससे रोजगार के हजारों अवसर बढ़ेंगे। चीन से सटे होने के कारण इसका रणनीतिक महत्व भी होगा।

जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी देने की सिफारिश की है। यह फैसला पर्यावरणविदों और स्थानीय आदिवासियों के लिए चिंता का विषय है। पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) रिपोर्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त सफेद पेट वाले बगुले की मौजूदगी को नजरअंदाज कर दिया गया। विकास के नाम पर प्रकृति और जीवन को दांव पर लगाने की यह प्रवृत्ति पूर्वोत्तर भारत की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए खतरा है।

ऊर्जा सुरक्षा

कलाई-II जलविद्युत परियोजना राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और पूर्वोत्तर में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य के लिए है। 14,176 करोड़ रुपये का यह प्रॉजेक्ट ञ्ज।ष्ठष्ट इंडिया लिमिटेड के जिम्मे है इससे सालाना 485.3 करोड़ यूनिट बिजली पैदा होगी। अरुणाचल सरकार इसे रन-ऑफ-रिवर डिजाइन के कारण चिंता बढ़ी सफेद पेट वाले बगुले का निवास स्थान नष्ट होने का खतरा कंक्रीट ग्रेविटी डैम से जल प्रवाह बाधित होने की आशंका स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी पर आ सकता है संकट संभावित नुकसान। लोहित ब्रह्मपुत्र की प्रमुख सहायक है। यह पूर्वोत्तर की जैव-विविधता का खजाना है। अंजों के हवाई गांव के निकट बनने वाला 128.5 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी डैम नदी के 15 से 23 किमी लंबे हिस्से को डुबो देगा। लीन सीजन में 15-20 घंटे तक पानी रोके जाने से निचले इलाकों में सूखे जैसी स्थिति होगी और मॉनसून में अचानक पानी छोड़ने से बाढ़ का खतरा रहेगा। इसके अलावा, टोर और टोर पुटिटोरा जैसी मछलियों का प्रजनन मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका है, जिससे उनकी आबादी तेजी से घटेगी। भूस्खलन, ग्लेशियर झील फटने का भी जोखिम रहेगा।

विनाश की चेतावनी।

लोहित बेसिन में लोअर डेमवे (1,750 MW) जैसे जलविद्युत प्रॉजेक्ट भी प्रस्तावित है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने 2011 में ही । लोहित बेसिन अध्ययन की सिफारिश की थी। इसमें बांधों से नदी पारिस्थितिकी के विनाश की चेतावनी दी गई थी। सबसे गंभीर खतरा संकटग्रस्त सफेद पेट वाले

बगुले (Ardea insignis) को है। भारत में ये 60 से भी कम है। डैम से उनका निवास स्थान नष्ट हो जाएगा।

अस्तित्व पर खतरा ।

WAPCOS की ओर से तैयार रिपोर्ट में इस पक्षी का जिक्र तक नहीं है। वालॉन्ग और नामदफा टाइगर रिजर्व इसके प्रमुख नेस्टिंग साइट्स है। कमलांग टाइगर रिजर्व का नाममात्र

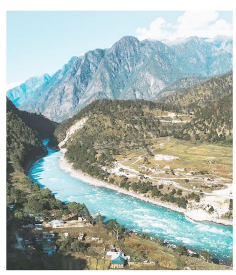

का उल्लेख कर इसे महज सैंक्चुअरी बताया गया, जो गंभीर लापरवाही है। डाउनस्ट्रीम असम तक इसका असर देखने को मिलेगा, जहां नदी का जलग्रहण क्षेत्र पहले से दबाव में है। कुल मिलाकर, यह परियोजना तीस्ता या सुबनसिरी जैसी नदियों की तरह लोहित को धीरे-धीरे 'मृत नदी' बना सकती है।

आजीविका पर संकट

अंजों जिले के हवाई सर्कल के नुकुंग, म्ला और चेंगुंग जैसे आदिवासी गांवों में कलाई-II के खिलाफ विरोध की लहर तेज हो गई है। नुकुंग वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन रोशन तॉसिक कहते हैं, 'हमने कभी सहमति नहीं दी। हमारी पुश्तैनी जमीन का विनाश अस्वीकार्य और अवैध है।' कहा जा रहा है कि लगभग 1,500 लोग विस्थापित होंगे, हवाई सर्कल डूबेगा, मछली पकड़ना, कृषि और वन आधारित आजीविका नष्ट हो जाएगी। सामाजिक प्रभाव आकलन (SIA) प्रक्रिया अपारदर्शी रही, आपत्तियां दर्ज नहीं हुई। पहचान का संघर्ष। नीयम समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान बचाने को संघर्षरत है और तैलंग क्षेत्र में पवन ऊर्जा जैसी वैकल्पिक ऊर्जा की मांग कर रहा है। भारत को हाइड्रो ऊर्जा चाहिए, लेकिन हिमालयी पारिस्थितिकी को प्राथमिकता देकर बेसिन-स्तरीय अध्ययन, पारदर्शी EIA और वास्तविक स्थानीय सहमति सुनिश्चित करनी होगी।

आगे की राह विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने से इस समस्या का समाधान हो सकता है। स्वतंत्र बेसिन-स्तरीय समग्र प्रभाव (CIA) अनिवार्य हो। सफेद पेट वाले बगुले के लिए आर्टिफिशल फीडिंग जोन जैसी विशेष संरक्षण योजना बने। इसके अलावा, ग्राम सभाओं से वास्तविक फ्री, प्रायर एंड इन्फॉर्ड कंसेंट (FPIC) लिया जाए। विस्थापितों को जमीन-आधारित पुनर्वास, मछली पालन सहकारी समितियां और स्थानीय लोगों को प्रॉजेक्ट की 30% हिस्सेदारी मिले। फिर, वैकल्पिक ऊर्जा के लिए प्रोत्साहन मिलना चाहिए। EIA प्रक्रिया में स्थानीय विशेषज्ञों और NGOs को शामिल कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। नदी जोनिंग पॉलिसी अपनाई जाए। कुछ हिस्सों को 'नो-डैम जोन' घोषित कर पर्यटन आधारित आजीविका बढ़ाने पर जोर रहे। यदि ये कदम उठाए जाएं तो कलाई-II प्रॉजेक्ट न केवल बिजली देगा, बल्कि पूर्वोत्तर का विश्वास भी जीतेगा।

-बृजेश चंद्र श्रीवास्तव
(लेखक ष्ठ के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज में असिस्टेंट प्रफेसर हैं)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की पूछपरख से गुरूवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार तेजी पर रहे। चने में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सरसो सुस्त पड़ी। किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में मिलों की लेवाली से भावों में तेजी दर्ज हुई। चना मजबूत बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सरसो बाजार ठंडे रहे। सोयाबीन में मजबूती रही। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3980-4050, खोपरा गोला 320-360, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्स्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2600, (160) 2500-2600, (200) 2700-2800, (250) 3000-3100

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2540, सोया साल्वेंट 1270-1280, सोया रिफाइंड 1325-1330, कपास्या 1275-1280, धूलिया 1280, कड़ी 1285,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1350,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5000-5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5000-5300, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7000-7100, हल्की 6800-6900, तुअर महाराष्ट्र 7400-7600, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य रहा। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 305000, चॉंदी (99) 304000, टंच 393500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 154000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की तेजी के साथ ही 91.57 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 15 पैसे की बढ़त के साथ 91.50 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार दावोस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद निवेशकों का मनोबल बढ़ा कि ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप पर शुल्क लगाने का फिलहाल कोई इरादा नहीं है। इसके तहत आठ यूरोपीय देशों पर प्रस्तावित शुल्क को रद्द करने की घोषणा की गई, जिससे वैश्विक बाजारों में राहत का माहौल बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.54 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही मजबूत होकर 91.50 तक पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को रुपया 68 पैसे टूटकर 91.65 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 397 अंक, निफ्टी 132 अंक उछला

मुम्बई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 397 अंक की तेजी के साथ 82,307 के स्तर पर आ गया, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132 अंक ऊपर आकर 25,289 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर कुछ ही समय के बाद मुनाफावसूली शुरु हो गई, जिससे बाजार नीचे आने लगा। इससे निवेशको में घबराहट आ गयी। वहीं एक समय सेंसेक्स 82,783 के दिन के हाई तक पहुंच गया था, जबकि निफ्टी ने 25,435 का स्तर पर पर बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाहर फिसल गया। वहीं बाजार बंद होने से पहले अमेरिका के रवैये में नरम प्रस्तावित टैरिफ टालने से बाजर में तेजी आई। वहीं गत दिवस बाजार गिरा था। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 82,459 अंक पर मजबूती के साथ खुला। वहीं निफ्टी-50 भी 25,344 पर खुलकर 183 अंक की तेजी के साथ 25,338 पर पहुंच गया। दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में भी तेजी रही। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजारों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया, खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। वहीं वॉल स्ट्रीट पर भी रात के कारोबार में तेजी रही और एसएंडपी 500 तथा नैस्डैक एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए।

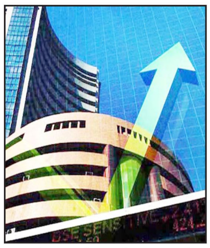

ट्रंप के दावोस बयान से वैश्विक बाजार में हलचल की संभावना

नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलॉजी समझौते संभव

नई दिल्ली। एजेंसी। दावोस में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और रूस को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अदभुत नेता बताया और अप्रैल में चीन दौरे की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने प्रस्तावित बोर्ड आफ पीस मिशन में शामिल होने का न्योता दिया। पिछले सालों में अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर और टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया था। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलॉजी समझौते संभव हैं। इससे एशियाई शेयर बाजारों में उछाल, अमेरिकी डॉलर में थोड़ी कमजोरी और टेक कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है। ट्रंप के पुतिन को बोर्ड ऑफ पीस में आमंत्रित करने के कदम से रूस-अमेरिका संबंध और यूक्रेन युद्ध पर नई संभावनाएं खुल सकती हैं। अगर बातचीत सफल रही, तो ग्लोबल सप्लाई चेन मजबूत होगी। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए यह सकारात्मक संकेत हैं। विदेशी निवेशकों का पैसा बढ़ सकता है, शेयर बाजार में तेजी, रुपया मजबूत और आयात सस्ता होने से महंगाई पर नियंत्रण संभव है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें गिर सकती हैं जिससे पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे। ट्रंप के बयान से जियो-पॉलिटिकल तनाव कम होने की उम्मीद है। अगर सब कुछ सकारात्मक रहा, तो निवेशकों का जोखिम घटेगा और ग्लोबल कमोडिटी, टेक और बैंकिंग शेयर लाभ उठा सकते हैं।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शेयर बाजार और उद्योगों के लिए बड़ा अवसर

यह समझौता भारत की जियो-इकोनॉमिक स्थिति बदल सकता है

नई दिल्ली। एजेंसी। दावोस 2026 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने संकेत दिए कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लगभग अंतिम चरण में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत की जियो-इकोनॉमिक स्थिति बदल सकता है। मौजूदा बाजार गिरावट और अस्थिरता के बीच यह खबर निवेशकों के लिए एक मजबूत सकारात्मक संकेत के रूप में काम कर रही है। वर्तमान में भारत और ईयू के बीच सालाना वस्तु व्यापार लगभग 130 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत का निर्यात 75 अरब डॉलर और आयात 65 अरब डॉलर है। सेवा व्यापार लगभग 72 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत 9 अरब डॉलर का लाभ में है। एफटीए के बाद इन आंकड़ों में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है, जो सीधे भारतीय कंपनियों की बैलेंस शीट और शेयर बाजार के मूल्यांकन को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार टेक्सटाइल और परिधान सेक्टर सबसे ज्यादा लाभान्वित होगा। वर्तमान में भारत की ईयू में हिस्सेदारी केवल 5-6 फीसदी है, जबकि चीन की 30 फीसदी है। फार्मास्यूटिकल्स में नियमों में ढील कंपनियों के लिए सकारात्मक होगी। इसके अलावा बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी व्यापार अवसर बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता 1990 के दशक के आर्थिक सुधारों के बाद सबसे बड़ा सुधार आंदोलन हो सकता है। अमेरिका में बढ़ते टैरिफ के बीच ईयू भारत के लिए ठोस वैकल्पिक बाजार बन सकता है। बाजार की धारणा अभी पूरी तरह बदलाव को नहीं आंक रही है, लेकिन औपचारिक घोषणा के बाद तेजी देखने को मिल सकती है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपको अपने अच्छे कामों को लेकर कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। आपके बॉस आपके कामों से काफी खुश रहेंगे। संतान को आप कोई जिम्मेदारी देंगे, जिस पर वह खरी उतरेगी और सेहत को लेकर यदि कोई समस्या चली आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको किसी पारिवारिक मामले को लेकर टेंशन हो सकती है, जिससे आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करेंगे।

वृषभ- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको प्रमोशन आदि मिलने से उनका मन काफी खुश रहेगा और उनकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आप जीवनसाथी को शॉपिंग पर लेकर जा सकते हैं। आपको किसी मामले को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा, नहीं तो बाद में आपको उसमें कोई भारी नुकसान हो सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी नयी प्रॉपर्टी की खरीदारी की योजना बनाएंगे और विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा। आपका कोई मित्र आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। आज आप अपनी जल्दबाजी की आदत के कारण समस्याओं में पड़ सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी और आप अपने बिजनेस को ऊंचाइयों तक लेकर जाने की कोशिश में लगे रहेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आप अपने रहन-सहन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपका खर्चा भी अधिक होगा। संतान ने यदि आपसे किस चीज की फरमाइश की थी, तो आप उसे पूरा करने की कोशिश अवश्य करें, लेकिन फिर भी आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें, नहीं तो इससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपने यदि किसी से कर्ज लिया था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं, लेकिन आपको अपनी आय पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई मे एकाग्र होकर जुटना होगा, नहीं तो बाद में उन्हें मुश्किलें आएंगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप संतान की नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते है। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। यदि आपने माताजी से किए हुए वादे को लेकर लापरवाही की तो वह आपसे नाराज हो सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर ही आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए थोड़ा नुकसानदायक रहने वाला है, क्योंकि आपकी जल्दबाजी के कारण आप कुछ मुश्किलों में पड़ सकते हैं। यदि आपने किसी प्रॉपर्टी को लेकर कोई सौदा किया, तो वह आपके लिए समस्याएं खड़ी करेगा। आप अपनी संतान के दाखिले को लेकर कुछ नए लोगों से मिलेंगे और आप किसी को धन उधार देने से बचें, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से समस्याएं खड़ी करेगा, क्योंकि आप अपने खान-पान पर कंट्रोल न करने के कारण पेट संबंधित समस्याओं को बढ़ावा दे सकते हैं। आज आपके नये घर के रिनोवेशन का काम शुरू करेंगे, जिसमें आप मेहनत भी अधिक करेंगे और आप बाकी कामों को लेकर लापरवाही दिखाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको मनचाहा काम ना मिलने से आपको निराशा होगी, लेकिन फिर भी आपके काम करना पड़ेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आप अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही व्यय करें, नहीं तो बाद में आपको इसके लिए पछतावा हो सकता है।

मकर- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। बिजनेस की योजनाएं आपको पहले से बेहतर लाभ देंगी और आप किसी पर भरोसा बहुत ही सोच विचारकर करेंगे। परिवार के सदस्यों में एकजुटता बनाए रखनी होगी, इसलिए आपको उनकी बातों पर पूरी सहमति देने की आवश्यकता है। संतान आपकी बातों को थोड़ा नजरअंदाज कर सकती है, जिससे आने वाले समय में उसकी समस्याएं बढ़ेंगी।

कुंभ- आज आपका किसी नए घर की खरीदारी का सपना पूरा हो सकता है। आपको अपनी काम को लेकर पूरी मेहनत दिखानी होगी और किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें और कोई पुरानी बीमारी जिसको लेकर आपको किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेकर लेने की आवश्यकता है। आप अपने किसी राजनीति में कार्यरत दोस्त से मिलने जा सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी बहसबाजी से दूर रहने के लिए रहेगा, क्योंकि इससे ही आपकी मुश्किलें बढ़ेंगी। संतान को आप पढ़ाई -लिखाई को लेकर कहीं बाहर भेज सकते हैं। बिजनेस में चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होगी।

शब्दजाल - 8149

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	की	म	को	ह	रा	म	ल	ख	म
मि	स	स	क	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	दु
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	रिं
क	व	रि	फ्यू	जी	प	बा	ज	ती	व	दा
श	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	ब्व
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	पि	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्नि	सा	क्षी	डि	त	ब	प	म

शब्दजाल में 'जैकी श्राफ' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मिशन कश्मीर, रिफ्यूजी, कोहराम, गंगा की कसम, त्रिदेव, फूल और आग, यमराज, वाईर, अग्निसाक्षी, परिंदा

शब्दजाल - 8148 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7093

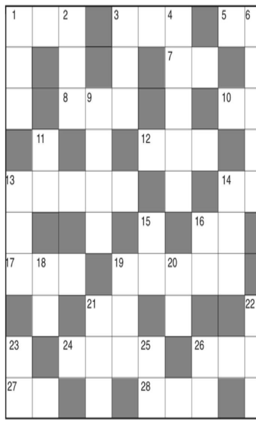

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रुक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7092

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

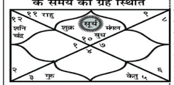

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मकर में
चंद्र	मीन में
मंगल	मकर में
बुध	मकर में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मकर में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	08.00 बजे से
मीन	09.33 बजे से
मेष	11.03 बजे से
वृष	12.43 बजे से
मिथुन	14.41 बजे से
कर्क	16.55 बजे से
सिंह	19.11 बजे से
कन्या	21.23 बजे से
तुला	23.34 बजे से
वृश्चिक	01.48 ब.से
धनु	04.04 बजे से
मकर	06.09 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 23 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 14.33 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 15.59 बजे को समाप्त। **करण** बव 14.11 बजे तदनन्तर बालव 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 30' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872598 **जूलियन दिन** 2461063.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 03 **विशेष** वसंत पंचमी, सरस्वती जयंती, सुभाष चंद्र बोस जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः समय का मूल्य

राजदरबार में एक आदमी आया। उसने राजा से प्रार्थना की, 'महाराज, मैं बहुत गरीब हूं, कृपया मुझे सोने के कुछ सिक्के दे दीजिए।' राजा ने पूछा, 'तुम कोई काम क्यों नहीं करते?' वह बोला, 'मुझे कोई काम नहीं देता। लोग मुझे आलसी कहते हैं।' राजा ने कहा, 'ठीक है, खजाने से तुम जितना सोना ले जाना चाहो, ले जाओ। परंतु ध्यान रखना, सूरज ढलने के बाद खजाना बंद हो जाता है, इसलिए समय पर आ जाना।' वह आदमी बहुत खुश हुआ। अगले दिन नाश्ता कर वह खजाने की ओर चल दिया। रास्ते में उसे एक छायादार पेड़ मिला। घनी छाया देखकर वह वहीं सो गया। दोपहर में जब नींद खुली तो उसने सोचा, शायद मैं ज्यादा देर सो गया। खैर कोई बात नहीं, शाम होने में अभी काफी समय बाकी है। वह उठकर आगे बढ़ा। रास्ते में मेला लगा हुआ था। उसने सोचा, क्यों न कुछ देर मेला देख लिया जाए, फिर खजांची के पास चला जाऊंगा। काफी देर तक वह मेले का आनंद लेता रहा। जब उसने देखा कि अब सूरज डूबने ही वाला है तो उसे राजा की चेतावनी याद आई। वह भागकर खजाने के पास पहुंचा लेकिन तब तक सूरज डूब चुका था। सैनिकों ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, 'तुमने देर करके अमीर बनने का एक बढ़िया मौका खो दिया।' वह अपने घर लौट गया। उसे बेहद पछतावा हो रहा था। उसने तय किया कि जीवन में वह कभी आलस्य नहीं करेगा।

सूडोकु नवताल- 7402

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल-7401 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8617

बाएँ से दाएँ

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक (अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -8616 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रीराम लला प्रतिमा प्राणप्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर हुए विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी।

धर्म नगरी लांजी में 22 जनवरी को श्रीराम लला प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ बड़े ही भक्ति भाव एवं धार्मिक वातावरण में मनाई गई। बतादे कि पावन धाम अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम लला की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठित की गई थी जिसको लेकर संपूर्ण देश प्रदेश में आयोजन किये जा रहे है। इन्ही आयोजन के तहत लांजी नगर के नये एवं पुराना राम मंदिर में विशेष पूजन अर्चन अभिषेक का आयोजन किया गया। नगर के नये श्रीराम मंदिर में आदर्श महिला के द्वारा भजन संध्या का आयोजन कर श्रीराम जी की स्तुती की गई। इस दौरान महिला मण्डल की सभी सदस्या उपस्थित रही। श्रीराम मंदिरो में जहां भजन कीर्तन सहित अनेको भक्ति गीतों के आयोजन किये गये वही नगर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के द्वारा भी अपने स्तर से विशेष आयोजन श्रीराम लला प्राणप्रतिष्ठा अवसर पर किये गये जिसके तहत गुजरी चौक नये श्रीराम मंदिर के समीप माॅ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव मनाया गया। जहां आतिशबाजी के कर महाप्रसाद का वितरण समिति के द्वारा किया गया। बतादे कि माॅ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्यों एवं स्थानीय लोगो के द्वारा मिलकर उक्त आयोजन किया गया। इसी कड़ी में नगर कि सामाजिक कार्यो में अग्रणी संस्था सद्भावना मित्र मण्डल एवं माॅ कालीघाट जनकल्याण समिति के द्वारा बस स्टैण्ड परिसर में महाप्रसाद का आयोजन उक्त अवसर पर किया गया था जहां बडी संख्या में भक्त गणो के द्वारा प्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में आज मनाया जाएगा बसंत पंचमी

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के भिलाई रोड़ स्थित गायत्री शक्तिपीठ में 21 जनवरी से तीन दिवसीय बसंत पर्व मनाया जा रहा है, इसके तहत आज 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। यह दिन मां सरस्वती के प्रकटोत्सव का दिन भी है। गायत्री परिवार द्वारा इसे अवतरण दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं.श्रीराम शर्मा आचार्य जी को आज ही के दिन 15 वर्ष की बाल्यावस्था में उनको गुरू का साक्षात्कार हुआ था। उन्होने उनके पिछले तीन जन्मों का वृतांत बताया। उनका पहला जन्म कबीरदास, दूसरा रामकृष्ण परमहंस और तीसरा स्वामी रामतीर्थ के रूप में बताया। गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि बसंत पंचमी पर्व के अवसर पर आज 23 जनवरी को मां गायत्री शक्तिपीठ में तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रात: 9 बजे से गायत्री महायज्ञ एवं विद्या आरंभ संस्कार व अन्य संस्कार सम्पन्न कराया जाएगा तथा इसके उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के ट्रस्टी व पदाधिकारियों ने सभी भक्तजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गई।

पुलिस महानिरीक्षक ने किया पुराने आपराधिक मामले के फरार आरोपी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट जोन के पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने लांजी थाना क्षेत्र में दर्ज एक पुराने आपराधिक मामले के फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468 एवं 471 के तहत अपराध क्रमांक 238/2005 दर्ज है। इस मामले में आरोपी सुशील पिता नंदकिशोर वाजपेई, उम्र 66 वर्ष, निवासी सपना टाकीज के पास जलनगर वार्ड, चन्द्रपुर, थाना रामनगर, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) विगत कई वर्षों से फरार चल रहा है। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जो कोई भी व्यक्ति इस फरार आरोपी के संबंध में ऐसी सूचना प्रदान करेगा, जिससे उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके, उसे 20 हजार रुपये का नगद इनाम दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को आरोपी के बारे में कोई भी पुख्ता जानकारी प्राप्त हो, तो वह निकटतम पुलिस थाने या पुलिस अधिकारियों को सूचित करें, ताकि कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

श्रीराम चौपाटी मित्र मण्डल ने मनाया श्रीरामलला प्राणप्रतिष्ठा उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। पावन धाम अयोध्या में विगत 22 जनवरी 2024 को श्री राम लला जी प्रतिमा स्थापित की गई थी जिसकी द्वितीय वर्षगांठ धर्म नगरी लांजी में बडे ही भक्ति भाव एवं हर्षोल्हास के साथ मनाई जा रही है। श्रीराम मंदिरो में प्रात॰ काल विशेष अभिषेक पूजन किया जाकर प्रसाद वितरण किया गया। इसी क्रम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीराम चौपाटी मित्र मण्डल लांजी के द्वारा नगर परिषद के समीप चौपाटी स्थल पर श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव मनाया गया। जहां सभी पदाधिकारियों के द्वारा प्रात॰ काल श्रीराम जी, हनुमान जी की पूजा अर्चना की गई तथा दोपहर 3 बजे से श्रीराम भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जहां माँ लंजकाई देवी जागरण ग्रुप के द्वारा एक से बढकर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम समाप्ति के द्वारा आयोजन समिति के द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया जहां बडी संख्या में भक्त गणों ने पंहुचकर महाप्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान श्रीराम चौपाटी मित्र मण्डल से मुकेश चोरवाड़े, रामरतन यादव, चन्द्रनसिंह कुशवाह,संतोष रणदिवे, सुदामा वाकड़े, तुलसीदास हटीले, यादोराव आसटकर, रोशनलाल कुमावत, राजकुमार बडमें, अनिल वाकले, रामकुमार बडमे, धर्मराज बनौठे, किशन बंसोड़, विक्की निर्मलकर, संदीप मेश्राम, आशीष बडमे, राजा चोरवाड़े, अतुल आदमरे, पद्म बहादुर, सुनील गोदुले, आशीष खोबरागड़े, यश गोदुले, हारून शेख, विशाल आसटकर, मनीष यादव, दयाशंकर गोदुले, ममतेश, गणेश किरनापुरे, प्रहलाट डेकाटे, अमित, फर्णीन्द्र नंदनवार सहित अन्य सदस्यो के द्वारा उक्त संपूर्ण आयोजन किया गया था।

पीएमजीएसवाई-चतुर्थ के तहत 367 सड़कों के निर्माण को मिली स्वीकृति

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राटसिंह सरस्वार की अध्यक्षता में 22 जनवरी 2026 को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष योगेश राजा लिल्हारे, जिला पंचायत सदस्यगण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ तथा विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व सामान्य सभा की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन किया गया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वन, खनिज, सिंचाई, कृषि, विद्युत एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। सामान्य सभा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-IV) अंतर्गत जिले के लिए जारी ब्लॉक प्राथमिकता सूची का अनुमोदन किया गया। इस योजना के तहत जिले में 367 सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन किया जाएगा, जिनकी कुल लंबाई 640.63 किलोमीटर होगी। इससे 368 बसाहटों की लगभग 99 हजार आबादी को बेहतर सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा। योजना के अंतर्गत बालाघाट PIU क्षेत्र के वारासिवनी, बालाघाट, खैरलांजी, कटंगी, लालबर्रा एवं किरनापुर विकासखंडों में 129 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है, वहीं बालाघाट-2 (बैहर) PIU अंतर्गत बैहर, बिरसा, लांजी एवं परसवाड़ा विकासखंडों में 238 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि इससे दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बैठक में ग्राम आरंभा की माध्यमिक शाला भवन की जर्जर स्थिति पर चर्चा हुई।

अध्यक्ष ने इसे ऐतिहासिक धरोहर बताते हुए भवन को संरक्षित रखते हुए मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। बैहर के ग्राम देवरबेली स्थित स्कूल भवन के संबंध में जानकारी दी गई कि नया भवन स्वीकृत हो चुका है और शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सदस्यों द्वारा स्कूलों को प्रदाय राशि की जानकारी सभा में प्रस्तुत करने की मांग भी रखी गई। विद्युत विभाग की समीक्षा में मोहगांव में सब-डिवीजन एवं चांदपुर में पावर हाउस की आवश्यकता पर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने विद्युत अधिकारियों को मुख्यालय में नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा में योजनाओं की जानकारी किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया। वन विभाग की समीक्षा में ग्रामीणों को बांस-बल्ली उपलब्ध कराने की समस्या रखी गई, जिस पर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। खनिज विभाग की समीक्षा में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने एवं नदियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग की समीक्षा में नहर सुधार कार्यों एवं जल संस्थाओं की एफडी राशि की जानकारी मांगी गई। अध्यक्ष ने एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सदस्यों द्वारा बांधों एवं नहरों के बेहतर उपयोग पर सुझाव भी दिए गए। अध्यक्ष सम्राटसिंह सरसवार ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष योगेश राजा लिल्हारे ने विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक के अंत में अन्य जनहित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली गणेश पाण्डेय के परिवार की जिंदगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर नगर के वार्ड क्रमांक 01 में रहने वाले गणेश पाण्डेय के लिए जीवन की सबसे बड़ी चिंता अपने परिवार के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास की थी। सीमित संसाधनों और मजबूरी भरे हालातों में उनका पूरा परिवार एक छोटे से कच्चे मकान में रहने को विवश था। पांच बेटों के साथ उस कच्चे घर में रहना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा था, लेकिन पक्का मकान बनवाने का सपना केवल सपना ही बना हुआ था। यह सपना तब साकार हुआ जब श्री गणेश पाण्डेय को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस सहयोग से उन्होंने अपने परिवार के लिए एक पक्का और सुरक्षित आवास तैयार किया। आज उनके घर में मजबूत छत, साफ-सुथरा शौचालय, बिजली और पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब उनका परिवार एक सुरक्षित वातावरण में सम्मान के साथ जीवन जी रहा है। श्री गणेश पाण्डेय भावुक होकर कहते हैं,प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें सिर्फ घर ही नहीं दिया, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन भी दिया है।

मलाजखंड शिविर में दूसरे दिन 63 छात्र छात्राओं के बनाए गए लर्निंग लायसेंस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय बालाघाट द्वारा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में शिविर आयोजित कर छात्र-छात्राओं के लर्निंग एवं ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में 22 जनवरी को शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में शिविर के दूसरे दिन 63 छात्र-छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। इनमें 47 छात्राएं एवं 16 छात्र शामिल रहे। महाविद्यालय में यह शिविर 23 जनवरी तक जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ ले सकें। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि इस शिविर के अंतर्गत छात्राओं के लर्निंग लाइसेंस निःशुल्क बनाए जा रहे हैं, जबकि छात्रों के लिए 274 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। परिवहन विभाग की इस पहल से विद्यार्थियों को लाइसेंस बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं और महाविद्यालय परिसर में ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छात्रों एवं छात्राओं ने इस सुविधा के लिए परिवहन विभाग एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गढपाल ने बताया कि 27 एवं 28 जनवरी को बैहर महाविद्यालय में एवं 29 व 30 जनवरी को लामता महाविद्यालय में शिविर लगाकर छात्र छत्रओं के लर्निंग लायसेंस बनाये जाएंगे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एसआईआर पर रार...प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत की, कहा

फार्म 7 के जरिए मुसलमान, आदिवासी के काट रहे वोट

भोपाल। मध्यप्रदेश में एसआईआर को लेकर कांग्रेस में रार जारी है। इसी कड़ी में फार्म 7 को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि 11 लाख नाम तीन दिन में बढ़ाना। 3 लाख से 11 लाख हो जाना, फार्म 7 के जरिए साजिश की जा रही है। फार्म 7 के अंतर्गत 50-50 वोटों की रक्षा के लिए मंत्रियों की ड्यूटी लगाई गई है। मीडिया रिपोर्ट है। जब यह शुद्धिकरण है तो बीजेपी के मंत्रियों की ड्यूटी क्यों लगा, बीजेपी एससी, एसटी, ओबीसी, माइनॉरिटी के नाम कटवा रही है। फॉर्म 7 का दुरुपयोग कर रही है, फार्म 7 के अंतर्गत एक व्यक्ति एक आपत्ति ले सकता है लेकिन बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने 25-25 आपत्तियां दी है। इसके प्रमाण हमने निर्वाचन आयोग को दिए हैं। आरोप है कि इन फॉर्मों का इस्तेमाल विशेष रूप से एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक को मतदाता सूची से बाहर करने के लिए किया जा रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जिन फॉर्म-7 के जरिए वोटर के नाम हटाने की प्रक्रिया चल रही है, वे प्री-प्रिंटेड (पहले से भरे हुए) हैं। इन फॉर्मों में विधानसभा क्रमांक, विधानसभा का नाम, जिस मतदाता का नाम हटाना है, उसका नाम और विवरण पहले से दर्ज है। चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदन देने वाले व्यक्ति का नाम नहीं है किसी भी आवेदक के हस्ताक्षर नहीं हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह न सिर्फ चुनाव आयोग की प्रक्रिया का उल्लंघन है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों पर सीधा हमला है।

जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी चुनाव हारने के डर से अब मैदान में नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट में खेल कर रही है। बिना आवेदक के नाम और हस्ताक्षर वाले प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 लोकतंत्र की हत्या का प्रमाण हैं। एसटी, एससी, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग के मताधिकार को छीनने की यह एक सोची-समझी साजिश है। जीतू पटवारी ने आगे कहा कि अगर चुनाव आयोग ने तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया, तो कांग्रेस सड़कों से लेकर न्यायालय तक इस मुद्दे को ले जाएगी। हम एक भी मतदाता का नाम गलत तरीके से कटने नहीं देंगे।

एक व्यक्ति ने दी 25-25 आपत्तियां

पटवारी ने आरोप लगाया कि नियमों के अनुसार फॉर्म-7 के तहत एक व्यक्ति केवल एक ही आपत्ति दर्ज करा सकता है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-एक व्यक्ति द्वारा 25-25 आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उन्होंने कहा कि इसके प्रमाण निर्वाचन आयोग को सौंप दिए गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बूथ लेवल अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी बूथ पर अनियमितता पाई गई, तो संबंधित बीएलओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। पटवारी ने कहा कि यदि आपने भाजपा के दबाव में आकर नाम अवैध तरीके से जोड़े या काटे, तो पुलिस कार्रवाई होगी। आपके लिए भाजपा के लोग हथेली लगाने नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ बीएलओ ईमानदारी से काम कर रहे हैं, लेकिन कुछ भाजपा नेताओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं, जिससे उनकी पूरी सर्विस रिकॉर्ड खराब हो सकता है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बीएलओ का काम कर रहे हैं और यदि भाजपा के लिए, काम किया गया तो थाने और जेल तय हैं।

फर्जी आपत्तियों का भी आरोप

पटवारी ने नया आरोप लगाते हुए कहा कि कई मतदाताओं को इसकी जानकारी तक नहीं है और उनके नाम से ऑनलाइन फर्जी आपत्तियां दर्ज की जा रही हैं। यह खासतौर पर अल्पसंख्यक और आदिवासी क्षेत्रों में हो रहा है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी करके चुनाव जीतने की कोशिश की जा रही है। पटवारी ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मंत्री विश्वास सारंग बीता चुनाव हार चुके थे। उनकी सीट और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों से करीब एक-एक लाख वोट कम हुए हैं, जहां जीत-हार का अंतर इतना ही रहता है। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मांग की गई है कि इन गड़बड़ियों पर तत्काल रोक लगाई जाए।

वन विकास निगम छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे करेगा वृक्षारोपण

भोपाल । आर्थिक संक्रमण के दौर में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और उनके रख-रखाव का काम मप्र वन विकास निगम को सौंपा है। इसका उद्देश्य सड़क के किनारे हरियाली बढ़ाना, प्रदूषण कम करना और पर्यावरण संतुलन बनाए रखना है। इस कार्य के लिए निगम को अनुमानित 7-8 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्त होगी जो कि निगम के लिए संजीवनी का काम करेगी।

वन विकास निगम के प्रबंध संचालक एचयू खान ने बताया कि सड़क किनारे, मीडियन (सड़क के बीच की जगह) और खाली पड़ी एनएचएआई की भूमि पर पौधारोपण करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-347 के मुलताई छिंदवाड़ा खंड एवं राजमार्ग क्रमांक-547 के सावनेर छिंदवाड़ा एवं छिंदवाड़ा रिंग रोड, एवं छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर खंड राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 के सिवनी Round About, तथा बालाघाट-गोंदिया राष्ट्रीय राजमार्ग क-543 के अंतर्गत आने वाले टोल प्लाजा एवं रोटरी पर वृक्षारोपण कार्य किया। यानि एनएचएआई की कुल 12 किलोमीटर से अधिक मार्ग पर वृक्षारोपण और उसकी देख-रेख किया जाएगा। निगम न केवल पौधे लगाएगा, बल्कि आगामी वर्षों तक उनकी सुरक्षा और देखभाल भी सुनिश्चित करेगा। यह प्रोजेक्ट पांच साल का होगा। यह पहल ग्रीन नेशनल हाइवे के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए की जा रही है, जो कि बेहतर पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करेगा।

अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगेंगे पौधे

एनएचएआई (एनएचएआई) ने भोपाल में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के दौरान काटे जाने वाले पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए सड़क किनारे वृक्षारोपण का काम मध्य प्रदेश वन विकास निगम को सौंपा है। योजना के अनुसार, अयोध्या बायपास के दोनों ओर 10,000 और आसपास कुल 81,000 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे, जिनकी 15 वर्षों तक देखरेख का जिम्मा एनएचएआई उठाएगा।

इन्दौर में खाकी पर फिर लगे दाग, 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू, टीबी मरीज की जेल में मौत मामला

इन्दौर। मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में कानून के रखवालों पर ही गंभीर आरोप लगे हैं, जिसने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। जिला अदालत के आदेश के बाद, एमआईजी (स्ट्रूत) पुलिस थाने के नौ पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक टीबी मरीज को झूठे मामले में फंसाने और उसकी बाद में जेल में हुई मौत के मामले में जांच शुरू की गई है।

मामला क्या है?

पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार, मृतक युवक अजय को पुलिसकर्मियों ने बिना किसी वैध गिरफ्तारी वारंट या एफआईआर के उसके घर से उठा लिया था। आरोप है कि पुलिस ने अजय को ब्राउन शुगर जैसे मादक पदार्थ का तस्कर बताकर अवैध हिरासत में रखा। अजय के परिवार का दावा है कि वह गंभीर रूप से टीबी से पीड़ित था और उसकी स्वास्थ्य स्थिति अत्यंत नाजुक थी। पुलिस पर यह भी आरोप है कि उन्होंने इस मामले को रफा-दफा करने या छोड़ने के एवज में परिवार से कथित तौर पर पैसे की मांग की थी। जब परिवार ने उनकी मांग पूरी नहीं की, तो पुलिसकर्मियों ने अजय को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया।

न्यायिक हस्तक्षेप के बाद शुरू हुई कार्रवाई -

जेल में रहने के दौरान अजय की तबियत और बिगड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद, जब पुलिस विभाग ने अपने स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, तो पीड़ित परिवार ने हार नहीं मानी और न्याय के लिए जिला अदालत का रुख किया। अदालत ने मामले की गंभीरता और पुलिसकर्मियों पर लगे संगीन आरोपों को संज्ञान में लेते हुए, संबंधित 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा, राज्य के लोकायुक्त संगठन ने भी इस पूरे प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए एक समानांतर जांच शुरू की है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी दोषी अधिकारी बच न पाए और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। विगत कुछ दिनों से इन्दौर पुलिसकर्मियों के इस तरह के उजागर हुए कई मामलों के साथ यह मामला भी पुलिस की जवाबदेही और शक्ति के दुरुपयोग के इर्द-गिर्द कई सवाल खड़े करता है।

आईएएस के बाद आईपीएस को पोस्टिंग का इंतजार

- सीएम मोहन यादव के दावोस से लौटने के बाद लिस्ट होगी जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के पवन श्रीवास्तव 31 दिसंबर 2025 को स्पेशल डीजी (सीआईडी) के पद से रिटायर्ड हुए थे। उनकी जगह पंकज श्रीवास्तव को प्रभार दिया गया है। पंकज के पास चार विभागों का प्रभार है। इनमें एसटीएफ, नक्सल ऑपरेशन, सीआईडी और विजिलेंस शामिल हैं। नक्सल उन्मूलन का निश्चित तौर पर उनको इनाम मिला है, क्योंकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सल उन्मूलन के लिए 31 मार्च 2026 की समय सीमा तय की थी। उससे साढ़े तीन महीने पहले मध्यप्रदेश नक्सल मुक्त हो गया।

आईएएस की तबादला सूची जारी होने के बाद अब पुलिस विभाग को भी अपनी तबादला सूची जारी होने का इंतजार है क्योंकि दो अफसरों के पास फिलहाल कोई काम नहीं है। इनमें अंशुमान यादव और डी. श्रीनिवास वर्मा शामिल हैं। दोनों एडीजी स्तर के अधिकारी हैं। यादव ने एक दिसंबर और वर्मा ने 4 दिसंबर को ज्वाइनिंग दी थी।

सरकार उन्हें वेतन तो दे रही है, लेकिन काम नहीं ले रही है।

अधिकारियों को भी अच्छा नहीं लगता होगा। अभी जो आईपीएस मीट हुई थी, उसमें इस बात की चर्चा भी आखिर क्यों इन अधिकारियों को पदस्थापना नहीं की जा रही है, जबकि कई अफसरों के पास अतिरिक्त प्रभार है। यादव और वर्मा की पदस्थापना को लेकर काफी चर्चाएं गर्म हैं। दोनों कहां पदस्थ किए जाएंगे, किसी को नहीं मालूम है, लेकिन उन्हें अहम पद दिए जाने की चर्चाएं हैं।

अंशुमान यादव बनेंगे आईजी ला एंड आर्डर

आईजी कानून व्यवस्था अंशुमान सिंह 28 फरवरी को रिटायर हो रहे है। उनके स्थान पर अंशुमान यादव को बना दिया जाए। जब साई मनोहर रिटायर होंगे, उनको इंटेलिजेंस का प्रभार दे दिया जाए। तब तक वे प्रदेश को समझ पाएंगे। क्योंकि वे केंद्र में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं, बहुत अच्छे अधिकारी हैं, लेकिन एमपी में उनका कार्यकाल कम रहा है। इसी तरह वर्मा लगभग कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उनको भी पदस्थापना का इंतजार है।

कलेक्टर-एसपी के बंगले बचाने के लिए नहर को मिलेगा टर्न

भोपाल। मध्य प्रदेश में केन-बेतवा परियोजना को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। 17 हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त लागत के चलते केंद्र सरकार ने टनल प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया है। चार साल में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने इस परियोजना के एलाइनमेंट में तीन बार बदलाव किया है। निवाड़ी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों के बंगले तथा छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों की करीब 40 कॉलोनियों को बचाने के लिए अब नहर को टर्न किया जाएगा। केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गए टनल प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। केंद्र का कहना है कि यदि राज्य सरकार इस तरह के निर्माण पर 17 हजार करोड़ रुपए खर्च करना चाहती है, तभी यह संभव है। साथ ही यह भी सवाल उठाया गया कि क्या यह टनल वर्ष 2030 तक बनकर तैयार हो पाएगी, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परियोजना को डेडलाइन 2030 तय की है। राज्य सरकार ने नवंबर में 17 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रस्ताव केंद्रीय जल आयोग को भेजा था। नहर की पुरानी एलाइनमेंट पर करीब 3000 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की गई थी।

तीन बार बदला गया एलाइनमेंट

परियोजना की शुरुआत में अधिकारियों ने बिना सर्वे के दोधन डैम से निकलने वाली नहर का पुराना एलाइनमेंट फाइनल कर केंद्र सरकार को भेज दिया था। इसके बाद दूसरी बार वर्ष 2024 में नया एलाइनमेंट दिया गया, जिसमें कहा गया कि विस्थापन की कोई समस्या नहीं है और कोई गांव प्रभावित नहीं होगा।

फॉरेस्ट एनओसी बिना वन सीमा से लगे क्षेत्रों में नहीं हो सकेंगे निर्माण

- लगातार वन क्षेत्रों में अवैध निर्माण, अतिक्रमण के चलते विभाग ने लगाई रोक

भोपाल । चारों दिशाओं में धड़ल्ले से कॉलोनियां काटने के साथ-साथ फार्म हाउस आदि निर्माण प्रदेश में हो रहे हैं। अब वन विभाग ने तय किया है कि राजस्व विभाग के समन्वय स्थापित कर वन सीमा से लगे क्षेत्रों में नई कॉलोनियों को विकसित करने, फॉर्म हाउस या अन्य किसी भी तरह के निर्माण से पहले वन विभाग की फॉरेस्ट एनओसी अनिवार्य रहेगी। अभी महू क्षेत्र में इस तरह के अवैध निर्माण, अतिक्रमण की सर्वाधिक शिकायतें सामने आई है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर वन सीमा में अवैध उत्खनन भी हो रहा है।

एक तरफ वनाधिकार पट्टों को लेकर शासन ने दिशा-निर्देश लगातार जारी किए हैं, तो दूसरी तरफ अवैध कटाई और परिवहन के मामले में भी वन विभाग पर आरोप लगते रहे हैं। विकास कार्यों के चलते हरे-भरे पेड़ों की कटाई तो निरंतर हो ही रही है, वहीं वन सीमा और उसके अंदर भी अवैध निर्माण, अतिक्रमण बढ़ रहे हैं। खासकर महू क्षेत्र में इस तरह की कई गतिविधियां सामने आई हैं। चूंकि पर्यटन के हिसाब से भी महू क्षेत्र में सबसे अधिक स्थल हैं और उसके आसपास बड़ी संख्या में फॉर्म हाउस और कॉलोनियों के साथ-साथ कई तरह के निर्माण बढ़ गए हैं, जिसके चलते अब वन मंडला अधिकारी को भी कहा गया है कि जहां मौका-मुआयना किया जाए और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें और राजस्व अमले के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जमीनों के रिकॉर्ड सीमाओं की सही स्थिति को देखते हुए ही अनुमति दी जाए। इसके लिए जीआईएस मैपिंग और सीमांकन करने को भी कहा गया है और सेना तथा कंटोनमेंट प्रशासन से भी इसमें सहयोग मांगा गया है। क्योंकि वन भूमि के आसपास ही फिल्ड फायरिंग रेंज भी मौजूद है। वन विभाग का कहना है कि एनओसी का मकसद किसी तरह के वैध कार्यों को रोकना नहीं है, बल्कि वन क्षेत्र को अवैध निर्माणों से बचाने, जिसमें उत्खनन से लेकर अन्य गतिविधियां शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि रालामंडल, जो कि वन्य जीव अभ्यारण्य के रूप में चिन्हित है, सुप्रीम कोर्ट आदेश और वन विभाग नियमों के चलते इस पूरे क्षेत्र को भी संरक्षित घोषित किया गया है। मगर यहां भी बिल्डर-कॉलोनाइजरों ने कॉलोनियां काट दी और नगर तथा ग्राम निवेश क्षेत्र के साथ-साथ पंचायत क्षेत्र और फिर निगम से अनुमतियां भी मिल गई। रालामंडल अभ्यारण्य के 100 मीटर के दायरे में अनुमति फिलहाल नहीं दी जा रही है। 247 हेक्टेयर का रालामंडल है और पहले एक किलोमीटर का क्षेत्र ईको सेंसेटिव झोन के रूप में चिन्हित करने का भी हल्ला मचा था। मगर बाद में पता चला कि अगर इसे लागू कर दिया तो सैंकड़ों कॉलोनियां और अन्य हजारों निर्माण इसकी चपेट में आ जाएंगे, जिसके चलते नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा फिलहाल 100 मीटर के दायरे के आधार पर ही अनुमतियां दी जा रही है। पूर्व में वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट आदेश के चलते रालामंडल के आसपास सर्वे कर 52 निर्माणों को चिन्हित नोटिस भी थमाए थे।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष के इन्दौर दौरे से उभरे नए समीकरण

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस की राजनीति इन दिनों प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और युवा नेता विपिन वानखेड़े के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। हाल ही में राहुल गांधी के इंदौर दौरे के दौरान दोनों नेताओं से उनकी नजदीकियों ने न सिर्फ सियासी हलकों में चर्चा तेज कर दी है, बल्कि कांग्रेस के बदले हुए मिजाज और आने वाले दिनों की रणनीति के संकेत भी दे दिए हैं। भोपाल, महू और फिर इंदौर में राहुल गांधी के पूरे दौरे में जीतू पटवारी और विपिन वानखेड़े को जिस तरह स्थान दिया गया है, उसने कई जमे-जमाए चेहरों को बहुत हद तक असहज कर दिया है। इंदौर में तो राहुल गांधी ने सिक्योरिटी गाइडलाइन को दरकिनार करते हुए जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े की गाड़ी में ही सफर करना जरूरी समझा। भागीरथपुरा से बॉम्बे हॉस्पिटल और फिर एयरपोर्ट तक राहुल गांधी पूरे समय विपिन की गाड़ी में सवार रहे। इस दौरान गाड़ी में जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार भी मौजूद थे। यह पहला मौका नहीं था जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मंच और कार्यक्रमों में मौजूद रहे हों, लेकिन राहुल गांधी की प्राथमिकता और नजदीकियां साफ तौर पर पटवारी और वानखेड़े के पक्ष में दिखीं। शहर और प्रदेश के राजनीतिक जानकार इसे कांग्रेस में उभरते नए नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, राहुल गांधी लंबे समय से संगठन को मजबूत करने वाले और जमीन पर सक्रिय नेताओं को तवज्जो देने के संकेत दे रहे हैं। जीतू पटवारी अध्यक्ष बनने से पहले ही प्रदेशभर में सक्रिय टीम खड़ी कर चुके थे। वहीं विपिन वानखेड़े एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर युवा कांग्रेस तक संगठनात्मक अनुभव रखते हैं और उन्होंने प्रदेशभर में अपनी मजबूत टीम तैयार की है। कहा जाता है कि विपिन की टीम का हर सदस्य 'कलदार' है और विपिन उन्हें आगे बढ़ाने की कला भी बखूबी जानते हैं। जीतू पटवारी द्वारा आगर से इंदौर की राह दिखाए जाने के बाद विपिन वानखेड़े ने बेहद कम समय में शहर में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। भागीरथपुरा में राहुल गांधी के दौरे के दौरान पटवारी और वानखेड़े की संगठनात्मक ताकत साफ नजर आई। बताया जाता है कि अमित पटेल, सरफराज अंसारी और महक नागर को पटवारी और वानखेड़े ने अपने दूत के रूप में भागीरथपुरा में तैनात किया था, जो पल-पल की जानकारी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा रहे थे। फिलहाल कांग्रेस के राजनीतिक गलियारों में पटवारी-वानखेड़े की जोड़ी की चर्चा जोरों पर है।

मप्र में 50 साल बाद बदलेंगे पेंशन नियम, अब अविवाहित-तलाकशुदा बेटियों को आजीवन मिलेगी पेंशन

भोपाल। प्रदेश में 50 साल बाद पेंशन नियम बदलेंगे। आश्रित विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित पुत्रियां आजीवन परिवार पेंशन की पात्र होंगी। इसके लिए, अधिकतम 25 वर्ष की आयु सीमा समाप्त होगी। आश्रितों के लिए आय सीमा भी बढ़ाई जाएगी। यह न्यूनतम पेंशन और महंगाई राहत मिलाकर होगी। आश्रित बड़ी संतान चाहे वह बेटा हो या बेटी, जो बड़ा होगा, वह परिवार पेंशन का पात्र होगा। साथ ही कई प्रक्रियात्मक परिवर्तन भी प्रस्तावित किए गए हैं। प्रदेश में चार लाख से अधिक पेंशनधारक हैं। इनके लिए 1976 में पेंशन नियम बनाए गए थे। तब से भारत सरकार कई संशोधन कर चुकी है, जिन्हें प्रदेश के पेंशनरों के लिए लागू करने की मांग पेंशनर्स एसोसिएशन उठाती रही है।

फर्जी अस्पतालों की जांच मामले में स्वास्थ्य विभाग कटघरे में

भोपाल। फर्जी अस्पतालों और अवैध नर्सिंग कॉलेजों पर शिकंजा कसने के मामले में स्वास्थ्य विभाग कटघरे में खडा हो गया है। फर्जी संस्थानों की जांच की जिम्मेदारी जिस टीम को सौंपी गई थी, उसी टीम के दो डॉक्टरों पर फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने के गंभीर आरोप लगे हैं। उक्त मामला राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय तक पहुंच गया है। इस गंभीर मामले में एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत और चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक सेन ने एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग भोपाल और उससे संबद्ध अरनव अस्पताल की वैधता को लेकर मौके पर वास्तविक निरीक्षण किए बिना ही भ्रामक और कूटरचित रिपोर्ट तैयार कर दी। आरोप है कि इस रिपोर्ट के जरिए शासन और मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल को गुमराह करने का प्रयास किया गया। एनएसयूआई की ओर से इस मामले की शिकायत राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय में दर्ज कराई गई थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए साइबर पुलिस ने डीसीपी क्राइम को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति बन गई है। पूरा मामला करीब एक महीने पुराना बताया जा रहा है। एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग और उससे संबद्ध अस्पताल की वैधता को लेकर एनएसयूआई ने पहले मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद काउंसिल के रजिस्ट्रार ने सीएमएचओ भोपाल को निर्देश दिए थे कि संस्थान का निरीक्षण कर दस्तावेजों सहित विस्तृत प्रतिवेदन काउंसिल कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए। इन निर्देशों के बाद सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत और चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक सेन को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी, लेकिन आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने स्थल पर जाकर वास्तविक स्थिति देखे बिना ही रिपोर्ट तैयार कर दी और उसे प्रस्तुत कर दिया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि शिकायत के बाद 12 दिसंबर 2025 को सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने दोनों डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि यह देरी साफ तौर पर यह संकेत देती है कि भ्रष्ट अधिकारियों को विभागीय स्तर पर संरक्षण मिल रहा है। एनएसयूआई का दावा है कि कार्रवाई में हो रही देरी के कारण राजधानी में फर्जी अस्पतालों और अवैध नर्सिंग कॉलेजों का नेटवर्क लगातार सक्रिय है। संगठन का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत के बिना यह पूरा खेल संभव नहीं है।

- दैवेभो व संविदा कर्मचारियों का सतपुड़ा भवन के सामने प्रदर्शन, वेतन कटौती आदेश का विरोध और नियमितीकरण की मांग, कहा

मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन तेज होगा

भोपाल। प्रदेश के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, स्थायी कर्मी, आउटसोर्स, संविदा एवं अंशकालीन कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सतपुड़ा भवन के सामने आंदोलन शुरू कर दिया है। कर्मचारी राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कर्मचारी श्रेणियों को समाप्त किए जाने के फैसले और कर्मचारियों को नियमित नहीं किए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही वर्ष 2019 में जारी आदेश के तहत नव नियुक्त कर्मचारियों के वेतन से 70, 80 और 90 प्रतिशत तक की कटौती के आदेश वापस नहीं लिए जाने को लेकर भी कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। आंदोलन में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी शामिल हुईं। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि राज्य सरकार लगातार कर्मचारियों के साथ संवादहीनता का वातावरण बना रही है। कर्मचारियों की मांगों की लगातार उपेक्षा से सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न तो कर्मचारियों की जायज मांगों पर ध्यान दे रही है और न ही उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन कर रही है। इसी के चलते 12 सूत्रीय मांगों को लेकर यह प्रदर्शन शुरू किया गया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कर्मचारियों की मांगें

उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करके प्रोविजन पीरियड के कर्मचारियों की वेतन से की जा रही कटौती को समाप्त किया जाए और जो कटौती पिछले 6 साल में की गई है वह राशि तत्काल वापस की जाए। केंद्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ दिया जाए। कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया पुनः शुरू की जाए। प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, स्थायी कर्मी, आउटसोर्स कर्मचारी, संविदा कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारियों को नियमित किया जाए। कर्मचारी विरोधी आदेश 22 दिसंबर 2025 को जारी हुआ है जिसमें कर्मचारियों की दैनिक वेतन भोगी समेत अन्य कैटेगरी खत्म करने की बात कही है, इसे तत्काल निरस्त किया जाए। कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन प्रणाली लागू की जाए। कर्मचारियों के लिए सीपीसीटी का प्रतिबंध समाप्त किया जाए। कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा तत्काल लागू की जाए। नौकरी में तीन संतान का प्रतिबंध समाप्त किया जाए। वाहन चालकों की मांगों का निराकरण किया जाए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पद नाम परिवर्तित किया जाए। लिपिकों की वेतन विसंगति का निराकरण किया जाए।

दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी।

यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरे शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है।

सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस मैच में बड़ी पारी खेनना चाहेंगी।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन - गंभीर

वडोदरा । भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे अधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पड़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है।

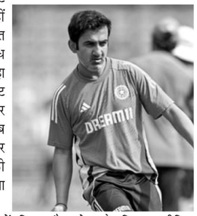

गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

सूर्यकुमार टी20 में 9000 रन बनाने वाले चौथे भारतीय बने

नागपुर। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए पहले टी20 में 32 रन बनाने के साथ ही इस प्रारुप में अपने 9000 रन भी पूरे कर लिए। सूर्यकुमार को अपने 9000 रन पूरे करने के लिए केवल 25 रनों की जरुरत थी जो उन्होंने आसानी से बनाये। इस प्रकार टी20 क्रिकेट में 9,000 रन बनाने वाले वह चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। उसने पहले केवल विराट कोहली,शिखर धवन और रोहित शर्मा के नाम ही टी20 में 9000 रन हैं। वहीं वह सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

सूर्यकुमार ने यह उपलब्धि 321 पारियों में हासिल की। उनसे पहले विराट ने 271 पारियां और धवन ने 308 पारियों में ही ये आंकडा हासिल किया था जबकि रोहित ने 329 पारियां ली थी। , टी20 क्रिकेट में सबसे तेज़ 9,000 रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के बाबर आज़म के नाम है। आजम ने ये आंकड़ा 245 पारियों में ही पूरा कर लिया था। कीवी टीम के खिलाफ 22 गेंदों में अपनी 32 रनों की पारी से ही सूर्या फार्म में भी आते दिखे हैं। पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

विराट ने अपने आलोचकों को दिया करारा जवाब - कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने प्रदर्शन से उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। कैफ ने सोशल मीडिया में कहा कि कोहली की बल्लेबाजी से उन लोगों को जवाब मिल गया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे थे। साथ ही कहा कि एकदिवसीय विश्वकप के लिए अब उनकी दावेदारी और मजबूत हुई है। कैफ ने साथ ही कहा कि कोई चाहे जितना भी अभ्यास कर ले विराट नहीं बना सकता। कैफ ने अपने वीडियो में कहा, ' आज विराट के आलोचक भी समझ गये हैं कि वही अंत में टीम को संभालते हैं। एकदिवसीय सीरीज के अंतिम मैच में उन्होंने शतक लगाकर टीम को करारी हार से बचाया।' कैफ ने कहा कि कोहली एक अलग तरह के खिलाड़ी हैं। साथ ही कहा, 'सालभर चाहे कितना भी खेल लो रणजी खेलो, विजय हजारे खेलो, सैयद मुश्ताक अली खेलो, आईपीएल खेलो, सालभर खेलो पर विराट नहीं बन पाओगे। विराट बनने के लिए एक चीज सबसे आवश्यक है और वो है उत्साह।' कैफ ने आगे कहा, अब वह सालभर नहीं खेलते, पर उन जैसे बनने के लिए आपको जो जुनून चाहिये वो अभ्यास से नहीं आता। वो तिरंगा लगाकर देश के लिए खेलना, वो जुनून कि मैं अंत तक रहूंगा और जिताकर जाऊंगा। वो जुनून कोई सिखाएगा नहीं, कोई किताब या कोचिंग आपको ये सिखा नहीं सकती।कोहली ने जब पिछले साल आईपीएल के दौरान टेस्ट से संन्यास लिय था। तब उनके एकदिवसीय भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे थे। तब उनकी टीम में जगह को लेकर भी सवाल उठे थे। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जब वह शुरुआती दोनों मैच में खाता नहीं खोल पाये तो उनका विरोध बढ़ गया था। उसके बाद कोहली ने लगातार शतक लगाकर हालात बदल दिये।

अभिषेक ने युवराज को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक छक्के लगाने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बने

नागपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह का एक रिकार्ड तोड़ दिया। इस मैच में अभिषेक ने केवल 22 गेंदों में ही 4 चौके और 4 छक्के लगाकर अपने 50 रन पूरे कर लिए। अभिषेक ने

अभिषेक को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युवराज के छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल 3 छक्कों की जरूरत थी जो उन्होंने आसानी से लगा दिये। अभिषेक ने पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर क्रिस्टियन क्लार्क की गेंद पर छक्का लगाते ही युवराज को पीछे छोड़ दिया। अब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छक्के लगाने वाले भारतीय

खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम अब इस प्रारुप में कुल 81 छक्के हो गये हैं। वहीं युवराज के नाम 74 छक्के हैं। भारत की ओर से सबसे अधिक 205 छक्के रोहित शर्मा के नाम है जबकि सूर्यकुमार याद 74 छक्के लगाकर दूसर और विराट कोहली 124 छक्के लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। हार्दिक पंड्या 106 छक्के लगाकर चौथे जबकि केएल राहुल 99 छके लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

छक्कों के साथ-साथ ही अभिषेक रनों के मामले में भी युवराज से आगे निकल गये हैं। इस मैच में 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। जहां युवराज ने 51 पारियों में 1177 रन बनाए थे, वहीं अभिषेक ने केवल 33 पारियों में ही 1198 रन बना लिए हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युवराज ने साल 2007 से 2017 के बीच 58 मैचों की 51 पारियों में 74 छक्के लगाए थे। इस दौरान युवराज ने 8 अर्धशतक लगाकर 1177 रन बनाए।

आईसीसी के फैसले से पीसीबी निराश पर टी20 विश्वकप का बहिष्कार नहीं करेगा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि बांग्लादेश के मैच भारत से बाहर कराये जाने की मांग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में खारिज होने से उसे निराशा हुई है पर इस मामले में हम टी20 विश्वकप का बहिष्कार नहीं करेंगे। पीसीबी के अनुसार वह टी20 विश्वकप में तय कार्यक्रम के अनुसार भाग लेगा। आईसीसी ने कहा है कि बांग्लादेश के मैच भारत से बाहर नहीं रखे जाएंगे। पीसीबी इस मामले में बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के समर्थन में है पर टूर्नामेंट से हटने पर किसी भी तरह से विचार नहीं कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीबी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा था कि उसके टी20 विश्व कप मैचों को भारत से हटाकर श्रीलंका में रखा जाये पर आईसीसी ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद पाक के कुछ पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों ने नाराजगी जताई।

International Cricket Council

एक रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी इस मामले में अलग-अलग विकल्पों पर विचार जरूर कर रहा है, लेकिन टूर्नामेंट से हटना कभी भी एक विकल्प नहीं रहा है।

पीसीबी के अधिकारियों के अनुसार उनके पास इवेंट का बहिष्कार करने का कोई ठोस कारण नहीं है, क्योंकि वे पहले से ही एक तटस्थ स्थल पर खेल रहे हैं, जहां उन्हें किसी तरह की सुरक्षा चिंता नहीं है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर कभी टूर्नामेंट से हटने की धमकी नहीं दी। सोशल मीडिया पर चल रही ज्यादातर खबरें अफवाहों पर आधारित थीं। वहीं पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज कामरान अकमल ने कि आईसीसी का यह निर्णय अपेक्षित था।

अकमल ने कहा, आईसीसी के ज्यादातर फैसले भारत के पक्ष में होते हैं जबकि सदस्य देशों के साथ बराबरी का व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की इच्छा को मान लिया गया, क्योंकि वह आईसीसी के लिए बड़ा राजस्व उत्पन्न करता है। अकमल के अनुसार, 2023 एशिया कप को भी हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित कराने में भारत की भूमिका अहम रही थी। हालांकि, अकमल ने यह भी माना कि इस मामले में भी आईसीसी के लिए इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव कठिन था।

रिद्धिमा ने विमेंस प्रो गोल्फ टूर के दूसरे चरण में बढ़त हासिल की

अहमदाबाद। रिद्धिमा दिलावरी ने यहां खेले जा रहे विमेंस प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) 2026 दूसरे चरण के पहले दौर में एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। रिद्धिमा पहले दौर में उपविजेता रहीं थी। रिद्धिमा ने अंतिम 8 होल्स में अच्छा खेल दिखाया। दूसरे टूर्नामेंट की शुरुआत में रिद्धिमा ने दो बार लगातार बर्डी लगाईं। उन्होंने पहले 7वें और 8वें होल पर बर्डी लगाईं, जिसके बाद फिर 14वें और 15वें होल पर भी यही दोहराया। उन्होंने 5वें और 10वें होल पर एक-एक शॉट खोया पर इसके बाद भी वह 2 अंडर 70 के स्कोर के साथ राउंड पूरा कर लिया। वहीं स्नेहा सिंह ने बोगी-फ्री राउंड खेला, एक बर्डी लेकर, वह 1-अंडर 71 पर रहीं जबकि रिद्धिमा पहले नंबार पर रहीं। वहीं वाणी कपूर, जहान्वी बख्शी, नयनिका सांगा, एमेच्योर महरीन भाटिया, करिश्मा गोविंद और रूकी प्रो सान्वी सोमू 1-ओवर 73 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रिद्धिमा इस साल डब्ल्यूपीजीटी और आईजीपीएल के घरेलू इवेंट्स पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने पार-5 पांचवें होल पर एक शॉट गंवाने से पहले चार पार के साथ शुरुआत की। रिद्धिमा ने 7वें और 8वें होल पर बर्डी बनायी। वहीं स्नेहा ने लगातार 15 होल पार खेले, इसके बाद पार-3 16वें होल पर बर्डी लगाकर राउंड की अपनी एकमात्र बर्डी हासिल की। उन्होंने अंतिम दो होल भी पार खेले और 71 के स्कोर के साथ राउंड समाप्त किया। दूसरी ओर अमनदीप ने दो बर्डी लगाईं, हालांकि एक डबल बोगी के कारण उनके स्कोर पर असर हुआ। संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं छह खिलाड़ियों में शामिल नयनिका सांगा ने सबसे ज्यादा पांच बर्डी लगाईं। वहीं वाणी कपूर की शुरुआत भी खराब रही, लेकिन नौवें और 11वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने वापसी की।

ईशान को टी20 विश्वकप में अंतिम ग्यारह में खेलते देखना चाहते हैं आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा हैं कि वह आक्रामक बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप में अंतिम ग्यारह में खेलते देखना चाहते हैं। हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद ईशान की विश्कप के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। चोपड़ा ने बताया कि ईशान एक अच्छे सलामी बल्लेबाज होने के अलावा मध्यक्रम में भी बल्लेबाज कर लेते हैं। उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक जुनूनी खिलाड़ी है। चोपड़ा का उम्मीद है कि ईशान विश्वकप में अपने प्रदर्शन से अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके रहने से भारतीय टीम की बल्ललेबाजी बेहतर होगी। इससे पहले ईशान के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतर बल्लेबाजी कर लय में आने का अच्छा अवसर है। चोपड़ा ने एक वीडियो में कहा, अगर आप सोच रहे हैं कि नंबर 3 उनकी स्वाभाविक जगह नहीं है और वह एक सलामी बल्लेबाज हैं तो जान लें कि आईपीएल के 2025 वें सत्र में उन्होंने नंबर 3 के लिए तैयारी की थी क्योंकि जब सनराइजर्स ने उन्हें नंबर 3 पर उतरा था तो उन्होंने पहले ही मैच में शतक लगाया। वह जानते हैं कि नंबर 3 बल्लेबाज को क्या करना होता है। । जिस तरह से पिछले कुछ सप्ताह में घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन रहा है उसको देखते हुए अगर वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिये। टी20 विश्वकप में भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय दिख रहा है। ईशान को घरेल क्रिकेट की उपेक्ष के कारण एक साल से भी अधिक समय तक भारतीय टीम से बाहर रहना पड़ा है। ईशान ने अंतिम बार नवंबर 2023 में भारत के लिए खेला था। घरेलू सर्किट में कड़ी मेहनत कर उन्होंने एक बार फिर टीम में जगह बनायी है। उन्होंने हाल ही में झारखंड को कप्तान के तौर पर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जितायी थी। उन्होंने 10 मैचों में 197.32 के स्ट्राइक रेट से 517 रन बनाये और वह इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है। शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

शमी के जज्बे से लगता है कि उन्होंने अभी वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अपनी फिटनेस को भी बनाये रखने पर ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल जब अगरकर ने शमी की फिटनेस पर टिप्पणी की थी तो उन्होंने कहा था कि अगर वह 50 ओवर के मैच में 10 ओवर डाल रहे हैं तो टेस्ट में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन अब उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा नहीं मानना है, इसी लिए चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं। नये तेज गेंदबाजों के आने से भी शमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम प्रबंधन अब 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम बना रहा है और अधिक उम्र के कारण इसके लिए शमी फिट नहीं हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला बालाघाट (म.प्र.) 481001

क्र.एफे/लोनिवि शाखा/50-2/2026/13231 **बालाघाट, तारीख. 21/01/2026**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है-

क्र.	टेंडर आईडी नं.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_476522_1	वित्तीय वर्ष हेतु डेकोरेशन संपूर्ण डेकोरेशन व्यवस्था	कार्य आदेश से 01 वर्ष 365 दिन 40.00 लाख	5000=00 200000=00	20/02/2026
02	2026_UAD_476524_1	वित्तीय वर्ष हेतु वाहन किराये पर लिये जाने हेतु	कार्य आदेश से 01 वर्ष 365 दिन 07.00 लाख	2000=00 35000=00	04/02/2026
03	2026_UAD_476527_1	वित्तीय वर्ष हेतु भोजन लिये जाने हेतु	कार्य आदेश से 01 वर्ष 365 दिन 10..00 लाख	3000=00 50000=00	04/02/2026
04	2026_UAD_476544_1	वित्तीय वर्ष हेतु नाश्ता लिये जाने हेतु	कार्य आदेश से 01 वर्ष 365 दिन 07..00 लाख	3000=00 50000=00	04/02/2026
05	2026_UAD_476527_1	वित्तीय वर्ष हेतु सामुहिक विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों में सामग्री क्रय	कार्य आदेश से 01 वर्ष 365 दिन 07..00 लाख	3000=00 50000=00	04/02/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की बेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद,
बालाघाट

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश निवेश भी विकास भी

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF-2026), दावोस यात्रा ने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। यह यात्रा मध्यप्रदेश के लिए निवेश, रोज़गार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ ही प्रदेश के हरित, डिजिटल और समावेशी विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है।"

हरित ऊर्जा एवं समावेशी विकास

- मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा विज़न का प्रदर्शन
- सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण जैसी परियोजनाओं की प्रगति और भावी योजनाओं से वैश्विक निवेश
- हरित ऊर्जा विज़न से प्रेरित मध्यप्रदेश मॉडल का वैश्विक मंच पर रेखांकन

निवेश प्रोत्साहन एवं उद्योग संवाद

- 'इन्वेस्ट इन इंडिया : मध्यप्रदेश' राउंड टेबल मीटिंग में वैश्विक निवेशकों से संवाद
- ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मा, आईटी, कृषि-प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश एवं रोज़गार के अवसर

फार्मा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति

- सैंडोज़ प्रतिनिधि मंडल के साथ फार्मा विनिर्माण पर परिचर्चा
- जेनेरिक दवाओं एवं एपीआई निर्माण में निवेश की संभावनाएं
- उन्नत अवसंरचना, नीतिगत समर्थन एवं कुशल कार्यबल विकास पर चर्चा

पर्यटन को मिला वैश्विक मंच

- 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल' सत्र में मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन आकर्षणों का प्रस्तुतिकरण
- विरासत, वन्यजीव और आध्यात्मिक पर्यटन को वैश्विक निवेश से जोड़ने पर बल
- 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में वैश्विक निवेशकों को आमंत्रण

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूती

- मालदीव से द्विपक्षीय वार्ता में पर्यटन, चिकित्सा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग पर सहमति
- अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मिलेगी मजबूती

डिजिटल भविष्य को मिलता बल

- ReNew Power के साथ संवाद में डेटा सेंटर और डिजिटल इकोनॉमी के लिए स्वच्छ ऊर्जा-आधारित विकास मॉडल पर परिचर्चा
- मध्यप्रदेश को विश्वसनीय हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थापित करने पर बल

खेल विकास एवं योग को बढ़ावा

- मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ खेल विकास एवं खेल पर्यटन पर चर्चा
- योग एवं आध्यात्मिक कल्याण से जुड़े वैश्विक संगठनों के साथ संवाद
- उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय योग केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा

तकनीक एवं नवाचार को प्रोत्साहन

- स्विस संसद के सदस्यों के साथ स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण एवं कौशल विकास पर चर्चा
- तकनीकी प्रशिक्षण एवं हरित नवाचार में सहयोग
- स्विस निवेश एवं विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं से जोड़ने पर सहमति

आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बल

- मध्यप्रदेश और डीपी वर्ल्ड के मध्य एमओयू से व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगी नई दिशा
- लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की संभावनाओं से आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बढ़ावा

D11189/25

मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में बनें सहभागी

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के पास दर्दनाक सड़क हादसा

मोटरसाइकिल सवार युवक की घटना स्थल पर मौत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के समीप वारासिवनी रोड स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के आगे सोमवार शाम लगभग 7:00 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटित हुई। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार एक युवक की स्टॉपर से टकराने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अविनाश पिता शांतिलाल नागेश्वर उम्र 34 वर्ष बुढ़ी बालाघाट निवासी के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार अविनाश किसी निजी संस्थान में नौकरी करता था 22 जनवरी की शाम 7:00 बजे करीब वह गर्रा की ओर से बालाघाट की ओर आ रहा था। इसी दौरान निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के नीचे वन विभाग की नर्सरी के सामने लगे सड़क स्टॉपर से उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद युवक काफी समय तक सड़क पर पड़ा रहा। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई,

किंतु किसी के द्वारा भी तत्काल 108 एंबुलेंस या डायल 112 पर सूचना नहीं दी गई। परिणामस्वरूप, मृतक का शव लगभग रात्रि 8:00 बजे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा। सूचना प्राप्त होने के बाद 108 एम्बुलेंस के ईएमटी निलेश दशहरे, पायलट रितेश निवारे के साथ 108 एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे और शव को जिला अस्पताल बालाघाट लाये। अस्पताल में रात्रि 8:30 बजे मृतक की शिनाख्त अविनाश के रूप में की गई। वहीं, जिला अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई रात्री अधिक होने के वजह से शव का पोस्टमार्टम नही किया जा सका।

प्रशासन की मनाही के बावजूद जिले भर में हजारों हेक्टेयर में रबी की धान फसल लगी!!

प्रमुख धान उत्पादक जिले के किसान पशोपेश के बीच खरीफ की बर्बाद फसल भरपाई के लिए रबी पर आश्रित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में रबी सीजन के दौरान धान की खेती लगातार भू-जल स्तर के लिए खतरा बनती जा रही है। बीते वर्ष रबी सीजन में किसानों द्वारा जिले की लगभग 46 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि में धान की फसल लगाई गई थी, जिसके बाद जिले के कई क्षेत्रों में भू-जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई थी। कृषि विभाग के अनुसार रबी मौसम में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसी कारण बीते वर्ष बड़े पैमाने पर धान लगाने से भू-जल स्त्रोतों पर भारी दबाव पड़ा और कई इलाकों में जलस्तर नीचे चला गया। इसके बावजूद चालू रबी सीजन में भी स्थिति में विशेष सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। कृषि विभाग का अनुमान है कि इस वर्ष भी जिले में लगभग 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसान रबी सीजन के दौरान धान की खेती कर रहे हैं।

जिले में बीते वर्ष सामने आए जल संकट को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने इस बार रबी सीजन में धान की फसल लगाने पर रोक लगाने का निर्णय लिया था। प्रशासन का उद्देश्य था कि किसान मौसम के अनुरूप फसल चक्र अपनाएं और कम पानी वाली रबी फसलों की ओर रुख करें, जिससे भूजल स्तर को सुरक्षित रखा जा सके। इस वर्ष भी कई

क्षेत्रों में किसान रबी सीजन में धान की खेती करते नजर आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियां और स्थानीय समस्याएं उन्हें रबी में भी धान बोने के लिए मजबूर करती हैं। किसानों के अनुसार जिले के कई इलाकों में भूमि में अत्यधिक नमी बनी रहती है, जिसके कारण गेहूं, चना जैसी रबी फसलें सफल नहीं हो पातीं। ऐसे में धान ही एकमात्र ऐसी फसल है, जिससे उन्हें भरोसेमंद उत्पादन मिल पाता है। जंगल से सटे क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि जंगली जानवर अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, जबकि रबी में धान की फसल अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती है। दूसरी ओर प्रशासन का तर्क है कि बीते वर्ष रबी सीजन में बड़े पैमाने पर धान की खेती होने से जिले का भूजल स्तर तेजी से गिरा था। इसका परिणाम यह हुआ कि गर्मियों के दौरान कई गांवों और शहरी क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता चला गया और आमजन को पानी के लिए जूझना पड़ा। इन्हीं अनुभवों को देखते हुए प्रशासन इस वर्ष रबी में धान की खेती रोकने के लिए सख्त रुख अपनाए हुए है। बावजूद इसके, विभागीय सूत्रों के अनुसार इस बार भी बड़ी संख्या में किसान रबी सीजन में धान की बुआई कर रहे हैं ।

इस बार भी 30 हजार हेक्टेयर में धान की खेती

कृषि विभाग से जुड़े सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार चालू वर्ष में भी जिले में बड़े पैमाने पर रबी सीजन में धान की फसल बोई जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक जिले में लगभग 30 हजार हेक्टेयर भूमि पर रबी सीजन के दौरान धान की खेती की जा रही है। जबकि यदि पिछले वर्ष की स्थिति की बात करें तो बीते वर्ष जिले में करीब 46 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की फसल लगाई गई थी, जिसके कारण जिले में जल संकट की स्थिति बन गई थी। भूजल स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई थी और गर्मी के मौसम में कई इलाकों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

बीते वर्ष विद्युत लोड में भी हुआ था इजाफा

रबी सीजन में धान की खेती का असर केवल जल संसाधनों तक सीमित नहीं रहा था। विद्युत विभाग के अनुसार बीते वर्ष जिले में बिजली की खपत हर वर्ष की तुलना में लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ गई थी। सिंचाई के लिए बड़ी संख्या में मोटर पंपों के उपयोग के कारण विद्युत लोड असामान्य रूप से बढ़ गया था, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को लेकर समस्याएं सामने आई थीं। विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि रबी सीजन के दौरान बढ़ा हुआ विद्युत लोड ट्रांसफार्मरों और वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे तकनीकी खराबियां और आपूर्ति बाधित होने जैसी स्थितियां उत्पन्न होती हैं।

बोरवेल पर प्रतिबंध की तैयारी

जल संकट की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से संबंधित विभाग इस वर्ष भी सतर्क नजर आ रहे हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रबी सीजन के दौरान नए बोरिंग कार्यों पर आंशिक प्रतिबंध लगाए जाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भूजल के अत्यधिक दोहन पर रोक लगाई जा सके।

आरक्षक पुत्र पिता को हर माह वेतन से देगा 07 हजार रुपए की राशि

भरण-पोषण अधिनियम के अंतर्गत एसडीएम ने पारित किया आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एसडीएम गोपाल सोनी ने भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम के अंतर्गत आदेश पारित किया है कि पुलिस लाईन बालाघाट निवासी आरक्षक मुकेश खाण्डेकर के वेतन से हर माह कटौति कर अपने वृद्ध पिता किशोर खाण्डेकर को 07 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाए और यह राशि उसके वृद्ध पिता के बैंक खाते में जमा कराना होगा। हट्टा निवासी 70 वर्षीय वृद्ध किशोर खाण्डेकर द्वारा न्यायालय वृद्ध माता पिता और वरिष्ठ नागरिको का भरण पोषण तथा कल्याण अधिकरण बालाघाट में आवेदन प्रस्तुत किया गया था कि वह अपनी 65 वर्षीय पत्नी के साथ रहता है। उनका एक मात्र पुत्र मुकेश खाण्डेकर कोतवाली बालाघाट में आरक्षक है। वह लगभग 21 वर्ष से माता पिता के पास नही आया है और उन्हें रुपए भी नही देता है। मुकेश की माता हृदय रोग की मरीज है अत: उनके भरण पोषण के लिए हर माह 09 हजार रुपए पुत्र मुकेश से दिलाया जाए। न्यायालय में आवेदन पत्र की जांच के पश ?झचात सुलह अधिकारी श्री बीआर भैरम के पास भेजा गया था। सुलह अधिकारी श्री भैरम तथा रमेश पटले के समक्ष 16 दिसम्बर 2025 को समक्ष में दोनो पक्षों को सुना गया और पुत्र मुकेश को समझाईश दी गई। जिस पर पुत्र मुकेश ने स्वेच्छा से पिता किशोर खाण्डेकर को हर माह 07 हजार रुपए देना स्वीकार किया है। न्यायालय वृद्ध माता पिता और वरिष्ठ नागरिको का भरण पोषण तथा कल्याण अधिकरण बालाघाट के अध्यक्ष एवं एसडीएम गोपाल सोनी ने इस स्थिति को देखते हुए आरक्षक मुकेश खाण्डेकर के वेतन से 07 हजार रुपए की कटौति कर उसके पिता किशोर खाण्डेकर के बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा हट्टा के खाते में यह राशि जमा करने का आदेश पारित किया है। यह आदेश न केवल वृद्धजनों के अधिकारों की रक्षा का सशक्त उदाहरण है, बल्कि समाज में यह संदेश भी देता है कि माता-पिता के भरण-पोषण से कोई भी संतान अपने दायित्व से नहीं बच सकती।

प्लास्टिक के तिरंगे झंडे नहीं बिकेंगें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्लास्टिक के राष्ट्रीय झंडे नहीं बिकेंगें। जो कोई भी व्यक्ति प्लास्टिक के झंडे बेचता हुआ पाया जायेगा उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर मृणाल मीना ने इस संबंध में अधिकारियों को दिये गये निर्देशों में कहा है कि 26 जनवरी को विक्रय किये जाने वाले राष्ट्रीय ध्वज सही आकार के होना चाहिए। झंडे की लंबाई व चौड़ाई में निर्धारित अनुपात होना चाहिए। जो कोई भी व्यक्ति इन निर्देशों का उल्लंघन कर गलत आकार व प्लास्टिक के झंडे बेचता हुआ पाया जायेगा तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

26 जनवरी को भारत पर्व का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोकतंत्र का लोकउत्सव भारत पर्व 2026 का आयोजन 26 जनवरी को सायं 07 बजे से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सभागृह बालाघाट में किया जाएगा। कलेक्टर मृणाल मीना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में नरसिंहपुर एवं जबलपुर के कलाकारों द्वारा बुंदेली पारंपरिक लोकगीत, बुंदेली लोक शैली में देशभक्ति गीत, बधाई नृत्य एवं राई नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। भारत पर्व में नरसिंहपुर के राजेश दुबे एवं उनके साथियों द्वारा पारंपरिक बुंदेली लोकगीत तथा बुंदेली लोक शैली में देशभक्ति गीत गाए जाएंगे। इसके पश्चात संस्कार कला संघ जबलपुर के कमलेश यादव एवं उनके दल द्वारा बधाई नृत्य, देशभक्ति नृत्य नाटिका, राई नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांय 07 बजे से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर देशभक्ति पर आधारित लोकगीत, नाटक एवं नृत्यों का आनंद उठाए।

अपर कलेक्टर ने तेल कंपनियों के अधिकारियों सहित 8 को जारी किया कारण बताओ नोटिस

उज्ज्वला योजना 3.0 में लापरवाही पर प्रशासन सख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला बालाघाट द्वारा पात्र महिला हितग्राहियों को योजना के लाभ से वंचित रखने तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं करने पर तेल कंपनियों के अधिकारियों एवं गैस एजेंसियों पर कार्रवाई करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पात्र महिलाओं को 卐पहले आओ, पहले पाओ卐 के आधार पर नि:शुल्क गैस कनेक्शन प्रदान न करना द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

इन अधिकारियों एवं एजेंसियों को जारी हुआ नोटिस

प्रशासन द्वारा जिन अधिकारियों एवं फर्मों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है, उनमें इंडियन ऑयल एलपीजी कंपनी के एरिया सेल्स ऑफिसर श्री अबीर मित्तल, एचपीसीएल एलपीजी कंपनी के एरिया सेल्स ऑफिसर श्री विशनचंद मुदडा, कटंगी स्थित रतनशीला इंडेन गैस एजेंसी के श्री शैलेन्द्र मड़ावी, वारासिवनी स्थित श्री मां इंडेन गैस एजेंसी की श्रीमती लता रामसिंग पटेल, उक्त एजेंसी के प्रबंधक संकल्प रामसिंग पटेल, खैरलांजी के मिरगपुर स्थित श्री मां इंडेन गैस एजेंसी की प्रोपराईटर/प्रबंधक श्रीमती अर्चना दुर्गाप्रसाद देशमुख, कटंगी के ग्राम जाम स्थित श्रीमाता एचपी ग्रामीण वितरक के प्रोपराईटर/प्रबंधक महेन्द्र प्रतापसिंह पटले तथा खैरलांजी स्थित हरीश होम एवं बीपीसीएल गैस एजेंसी के टूनेश ओछानी शामिल हैं।

जवाब न मिलने पर होगी कठोर कार्रवाई

सभी संबंधितों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सीमा में लिखित जवाब प्रस्तुत करें एवं व्यक्तिगत रूप से अपर कलेक्टर न्यायालय के समक्ष उपस्थित हों। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में एकपक्षीय कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के माध्यम से जिला प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि उज्ज्वला जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पात्र महिलाओं को समय पर योजना का लाभ दिलाना

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
-मिलने का पता-
अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
समय -सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक, 4 बजे से शाम 6 बजे समय

JOBSAHI SATPUDA GROUP
JOBSAHI
जॉब आपकी जेब में !
भारत का सबसे बड़ा
OPEN MEGA CAMPUS DRIVE
100+ COMPANIES
8000+ JOBS
देश के सभी राज्यों के Government एवं Private संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क भर्ती !
(योग्यता: ITI, Polytechnic, BE/BTech, BSc, 10th, 12th, BA, BCom)
मुख्य विशेषताएँ :
34,000 रुपए प्रति माह तक की सैलरी*
Satpuda Group की Guarantee
पूरी तरह FREE भर्ती
24 घंटे में Offer Letter *
SCAN TO APPLY
Satpuda Engineering College, Manjhapur, Lalburra Road, BALAGHAT (M.P.) 481001
+91 6262604133
+91 6262604110
जानकारी एवं सहायता के लिए Google पर Jobsahi सर्च करें या दिए गए संपर्क नंबर पर कॉल करें।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

गणतंत्र दिवस पर शासकीय भवनों एवं स्मारकों पर की जायेगी रोशनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर 25 एवं 26 जनवरी की रात्रि में रोशनी की जाएगी। इस व्यवस्था पर होने वाला व्यय संबंधित प्रशासकीय विभाग अपने विभागीय बजट से वहन करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट